त्रिपुरी टाइम्स

10th ANNIVERSARY CELEBRATIONS

www.tripuritimes.com

tripuritimes@gmail.com

वर्ष 10 अंक 10 | जबलपुर, बुधवार 5 फरवरी 2025 | पृष्ठ संख्या : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अवैध अप्रवासियों को निर्वासित नहीं करने पर असम सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने अवैध अप्रवासी घोषित किए गए विदेशी नागरिकों को तुरंत निर्वासित नहीं करने पर मंगलवार को असम सरकार को फटकार लगाई और उसे निर्देश दिया कि वह हिरासत में लिए गए 63 लोगों को उनके मूल देश में वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने राजूबाला की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से कहा, आप उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत में नहीं रख सकते। एक बार जब वे विदेशी घोषित हो जाते हैं, तो उन्हें तुरंत निर्वासित कर दिया जाना चाहिए। आप उनकी नागरिकता की स्थिति जानते हैं। फिर आप उनका पता मिलने तक कैसे इंतजार कर सकते हैं? यह दूसरे देश को तय करना है कि उन्हें कहां जाना चाहिए। पीठ ने हिरासत में लिए गए उन लोगों को निर्वासित करने के मुद्दे पर असम सरकार से पूछा, क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? शीर्ष अदालत ने कहा कि पते के बिना भी राज्य उन्हें निर्वासित कर सकता है। उन लोगों को देश की राजधानी में निर्वासित किया जा सकता है। पीठ ने आगे कहा, मान लीजिए कि वह व्यक्ति पाकिस्तान से है और आप पाकिस्तान की राजधानी जानते हैं? तो आप उसे पाकिस्तान की

राजधानी में भेज देते हैं। अदालत ने राज्य सरकार से सवाल किया, आप यह कहते हुए कि उनका विदेशी पता ज्ञात नहीं है, उन्हें यहां हिरासत में कैसे रख सकते हैं? आपने वह तारीख क्यों नहीं बताई, जिस दिन सत्यापन विदेश मंत्रालय को भेजा गया था। असम की ओर से पेश अधिवक्ता ने मामले में उचित हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा तो पीठ ने उनसे कहा, हम आपको (असम सरकार) झूठी गवाही का नोटिस जारी करेंगे। एक राज्य सरकार के रूप में आपको अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकर इसका समाधान निकालेंगे, क्योंकि यह मुद्दा राज्य का विषय नहीं है। असम के मुख्य सचिव मामले की सुनवाई के दौरान वर्चुअल रूप से मौजूद थे। शीर्ष अदालत ने इस मामले से निपटने के तौर-तरीके स्पष्ट करने के लिए केंद्र सरकार को एक महीने का समय दिया। शीर्ष अदालत ने असम सरकार को हिरासत केंद्रों में बेहतर स्थिति सुनिश्चित करने तथा हर पखवाड़े सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए एक समिति बनाने का भी आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 फरवरी की तारीख मुकर्रर की है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, हम असम को इस आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट करते हुए एक उचित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं। यदि राज्य सरकार को पता चलता है कि राष्ट्रीयता सत्यापन फॉर्म दो महीने पहले भेजे गए हैं, तो राज्य तुरंत विदेश मंत्रालय को एक याद दिलाने वाला पत्र जारी करेगा। जैसे ही विदेश मंत्रालय को ये पत्र प्राप्त होगा, मंत्रालय राष्ट्रीयता स्थिति सत्यापन के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करेगा।

दिल्ली में चुनाव आयोग के एसटीएफ ने कपड़ों का स्टॉक किया जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चुनाव आयोग के एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुपालन के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए इंद्रपुरी इलाके में एक वाहन को पकड़ कर उसमें कपड़ों (सूट) का स्टॉक जब्त किया है जो संभवत मतदाताओं को बांटकर चुनाव को प्रभावित करने के लिए ले जाया जा रहा था। यह जानकारी मंगलवार को आयोग ने एक बयान में दी। आयोग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्यवाही पुलिस की सूचना पर की गई। पकड़े गए माल का ब्यौरा नहीं दिया गया है। पुलिस ने एक वाहन में संदिग्ध सूट (कपड़े) ले जाने की घटना की सूचना दी थी। उस पर कदम उठाते हुए एफएसटी की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। वाहन को पीएस इंद्रपुरी ले जाया गया और मानदंडों के अनुसार सूट (कपड़े) जब्त किए जाने की कार्यवाही शुरू की गई। आयोग ने कहा है कि इस मामले में जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक औपचारिक शिकायत भी दर्ज की गई है। आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए चुनाव मशीनरी सतर्क रहती है। नागरिक सीविजिल ऐप का उपयोग करके वास्तविक समय में एमसीसी उल्लंघन की रिपोर्ट भी कर सकते हैं। आयोग ने कहा है कि जनता की सतर्कता लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।

बारात में डांस करने घुसे बाहरी युवक, महिलाओं से करने लगे बदसुलूकी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी में गाजियाबाद में बरातियों के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। यहां बारात लगने के दौरान डीजे बजा तो कुछ बाहरी युवक यहां आकर नाचने लगे और बारात में शामिल महिलाओं से छेड़छाड़ करने लगे। जब लोगों ने इसका विरोध किया तो दर्जनों युवक वहां जमा हो गए और बारातियों के साथ मारपीट कर दी। बारात में शामिल लोगों पर पत्थर फेंके गए। इसमें करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं। बारातियों ने भाग कर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और बारात में शामिल लोगों पर हमला और मारपीट करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावर युवकों ने उनके साथ कैश और गहने भी लूटे गए हैं। घटना की सूचना पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर भी पीड़ित बारातियों और उनके परिवार से मिले हैं और मामले में कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की।

नीतीश सरकार में भष्ट्राचार चरम पर: तेजस्वी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने प्रदेश में विधि व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रदेश में भष्ट्राचार चरम पर है और प्रशासनिक अराजकता फैल चुकी है। श्री याादव ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में आरोप लगाते हुये कहा है कि श्री कुमार के कारण प्रदेश में प्रशासनिक अराजकता फैल चुकी है।श्री कुमार खुद गृहमंत्री है, इसलिए पुलिस में भ्रष्टाचार चरम पर है। मधुबनी में पुलिस ने तांडव मचा रखा है। जब मर्जी किसी को भी पुलिस मार देती है। श्री यादव ने श्री कुमार की सरकार को चेतावनी देते हुये कहा कि हमारी सरकार आयें ना आए हमें कोई फर्क.नहीं पड़ता लेकिन समाज में अन्याय, अत्याचार और भेदभाव हम हरगिज सहन नहीं करेंगे और ना होने देंगे। यदि किसी ने मुसलमानों की तरफ बुरी नजर से देखा तो फिर उन बुरी नजर वालों की सही नजर करना हमें हर तरीके से आता है। ये पुलिस और प्रशासन के लोग कान खोलकर सुन लें, आप लोग जनता के नौकर हो, सेवक हो। इसी जनता के पैसे से तुम्हें तनख्वाह मिलती है।हमारी पार्टी ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध मानवाधिकार आयोग भी जाएगी और उनकी सजा सुनिश्चित करेगी। श्री यादव ने आरोप लगाते हुये कहा कि दरभंगा और मधुबनी के 20 में से 17 विधायक भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाईटेड के हैं। 20 वर्षों से मधुबनी-दरभंगा-झंझारपुर के सांसद इन्हीं के है। ये सब निकम्मे और नकारा हो चुके है। नीतीश प्रशासन इन्हीं का है जो जात-धर्म के आधार पर भेदभाव करता है। बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के बसैठ में कुछ महीने पहले एक युवा राहुल कुमार झा को पुलिस ने दूसरे थाने की सीमा में घुसकर बेवजह बेरहमी से पीटा था। विगत वर्ष 2024 में कटैया के बगल के ही दामोदरपुर गांव में एक ऑटो चालक मुन्ना झा की हत्या कर दी गई। बेनीपट्टी थाना पुलिस प्राथमिकी में नामजद अभियुक्त को भी नहीं पकड़ सकी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अक्टूबर में धनौजा गांव में हरिमोहन झा की हत्या हुई! पुलिस उपाधीक्षक ने बयान दिया कि शराब माफिया का इसमें संलिप्तता है. थाना पुलिस के कुछ कर्मी पर भी संदेह की जानकारी सामने आई... लेकिन रिजल्ट क्या हुआ? कुछ नहीं। थाना से महज तीन-चार किलोमीटर की दूरी पर जगत गांव में 29 वर्षीय सुनील झा कंपाउंडर की हत्या हुई, महीनों बाद पुलिस के हाथ कुछ भी नहीं है। ढांगा गांव में भी कुछ दिन पहले पुलिस का बर्बरतापूर्ण कारवाई हुआ था जहां घर में घुसकर महिलाओं बच्चें को बेरहमी से पीटा गया था।

कुंभ का पानी सबसे दूषित वाले बयान को लेकर जया बच्चन को गिरफ्तार करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी सांसद जया बच्चन महाकुंभ के पानी को सबसे दूषित बताया था। उन्होंने दावा किया था कि भगदड़ में जान गंवाने वालों की लाशें पानी में फेंक दी गई। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद ने जया बच्चन की गिरफ्तार की मांग की है। इसके अलावा बीजेपी नेताओं, धार्मिक संगठनों ने भी जया बच्चन के बयान पर आपत्ति जताई है। वीएचपी के मीडिया प्रभारी ने कहा कि गलत और झूठे बयानों से सनसनी फैलाने के लिए जया बच्चन को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ आस्था और भक्ति का आधार हैं, जहां धर्म, कर्म और मोक्ष मिलता है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हैं। बात दें संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए सपा सांसद जया बच्चन ने कहा था कि अभी सबसे ज्यादा दूषित पानी कहां है? कुंभ मेंह्व वहां मची भगदड़ में जिन लोगों की मौत हुई, उनके शव नदी में फेंक दिए गए हैं, जिससे पानी दूषित हो गया है। असली मुद्दों पर कोई बात नहीं कर रहा है। जया बच्चन ने इसके साथ ही महाकुम्भ में आने वाले लोगों की संख्या पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा था कि कुंभ में आने वाले आम लोगों को कोई विशेष सुविधा नहीं दी जा रही है, उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यह झूठ बोला जा रहा है कि वहां करोड़ों लोग आ चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोग किसी भी समय एक जगह पर कैसे इकट्ठा हो सकते हैं? जया बच्चन का यह बयान ह्यएक्स पर दिनभर ट्रेंड करता रहा। बीजेपी ने इसे हिंदू आस्था और कुंभ मेले का अपमान बताया है। वहीं कई धार्मिक नेताओं और संगठनों ने जया बच्चन से माफी की मांग की है और उनके बयान को ह्यगुमराह करने वाला बताया है।

भारतीय रेलवे ने लॉन्च किया सुपर ऐप, यात्री इससे कर सकेंगे सभी सुविधाएं एक्सेस

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने एक नया सुपर ऐप लॉन्च किया है, जिसका नाम सवारेल है। पैसेंजर्स को इस ऐप पर रेलवे की तरफ से मिलने वाली सभी सुविधाओं का एक्सेस मिलेगा। भारतीय रेल के इस न्यू सुपर ऐप को सीआरआईएस ने तैयार किया है और अभी यह प्लेस्टोर पर बीटा प्रोग्राम में है। रेलवे का यह सुपर ऐप सभी सर्विस को देने का काम करेगा, जो अभी अलग-अलग ऐप से मिलती हैं। इस ऐप की मदद से रिजर्वेशन और अनरिजर्व्ड टिकट की बुकिंग कर सकेंगे। यहां से प्लेटफॉर्म टिकट, पार्सल बुकिंग और पीएनआर की भी जानकारी ले सकेंगे। हालांकि इस ऐप के बाद आईआरसीटीसी ऐप को बंद कर दिया जाएगा या वह आगे भी चलता रहेगा इसके बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। रेलवे के इस सुपर ऐप के तहत रिजर्वेशन टिकट बुकिंग, अनरिजर्व्ड टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, पार्सल बुकिंग, पीएनआर जानकारी, फूड ऑर्डर और शिकायत आदि की जानकारी उपलब्ध कराएगा। रेलवे के इस न्यू सुपर ऐप के तहत यूजर्स को ट्रैवल असिस्टेंट फीचर भी मिलेगा, जिसमें सिंगल साइन-ऑन, ऑनबोर्डिंग और रेलवे पैसेंजर्स को कई तरह की सुविधाएं देखने को मिलेंगी। यूजर्स को अलग-अलग ऐप के लिए अलग-अलग लॉगइन आईडी और पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं होगी। सिंपल साइन इन से यात्री आसानी से लॉगइन कर सकेंगे। नए यूजर्स को शुरूआत में कुछ जरूरी डिटेल्स भरनी होंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एन्डरॉड और ऐप स्टोर पर मौजूद बीटा टेस्टिंग के स्लॉट्स फुल हो चुके हैं। हालांकि यह स्टेबल वर्जन में कब तक लॉन्च होगा, उसकी कोई जानकारी नहीं है।

45 साल पहले जापान से मिली व्यापारिक हार का बदला ले रहे ट्रंप, लगा रहे टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कई देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी ने दुनिया में हलचल मचा दी है। इसे लेकर चीन, मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों में तनाव पैदा हो गया है। ट्रंप के इस कदम पर विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे दुनिया में ट्रेड वॉर शुरूआत बता रहे हैं। बता दें इसकी शुरूआत 1988 में उस समय हुई जब कैसाब्लांका फिल्म में इस्तेमाल हुए एक पियानो की नीलामी हुई थी। इस नीलामी में ट्रंप भी शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। नीलामी एक जापानी ट्रेडिंग कंपनी ने जीती थी। ऑक्शन में मिली हार के बाद ट्रंप ने पहली बार टैरिफ शब्द का इस्तेमाल किया था। तब उन्होंने कहा था कि वह नीलामी में हार को गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन यह जापान की बढ़ती संपत्ति का एक ताजा उदाहरण है। इस घटना के अगले साल ट्रंप ने एक साक्षात्कार में जापान से आयात पर 15 से 20 फीसदी टैक्स लगाने की बात कही थी। उस वक्त ट्रंप की पहचान एक बिजनेसमैन के रूप में हुआ करती थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक तब ट्रंप ने कहा था, मैं टैरिफ में बहुत विश्वास करता हूं। उन्होंने जापान, जर्मनी, सऊदी अरब और दक्षिण कोरिया के व्यापार तरीकों की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि अमेरिका को लूटा गया है। हमें टैरिफ लगाना चाहिए

और इस देश की रक्षा करनी चाहिए। ट्रंप के करीबी और इतिहासकार मानते हैं कि टैरिफ के प्रति उनका ये प्रेम 1980 के दशक में जापान से मिली इस हार के बाद ही जागा था। वह ऐसा दौर था जब जापान को अमेरिका की आर्थिक सुपरमेसी के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा गया था। 1980 के दशक में जब जापान की अर्थव्यवस्था और उसका अंतरराष्ट्रीय प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था, तब ट्रंप ने जापान की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि जापान में व्यापार करना कठिन है और यह शिकायत की थी कि जापानी अपने उत्पादों को अमेरिका में बेचते हैं और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुंचाते हैं। ट्रंप की मौजूदा चिंता उनके व्यक्तिगत अनुभव और विश्वास से जुड़ी हुई है जिसमें वह मानते हैं कि विदेशी कंपनियों ने अमेरिकी फैक्ट्रियों को तबाह कर दिया है।

आर्मी अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे का इंतेजार हुआ लंबा, यूएसए से मिल रही तारीख पर तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की कोशिश है ज्यादा से ज्यादा खरीद स्वदेशी कंपनियों से ही हो। ऐसा नहीं है कि विदेशों से खरीद बिलकुल बंद कर दी गई है। सेना की ताकत को बढ़ाने के लिए अगर जरूरी है तो वह खरीद विदेशों से की जा सकती है। उसी के तहत थल सेना ने अपने एवियेशन कोर के लिए दुनिया के सबसे ताकतवर अटैक हेलिकॉप्टर एएच 64 अपाचे खरीद की है। भारतीय थलसेना का इंतजार लंबा हुआ जा रहा है। हेलिकॉप्टर की डिलिवरी अब तक नहीं हुई। अमेरिका ने डिलिवरी की डेडलाइन फिर से मिस कर दी। साल 2024 की फरवरी में पहली डेडलाइन थी जो जून जुलाई तक बढ़ गई। फिर यह डेडलाइन दिसंबर तक पहुंच गई।अब दिसंबर भी चली गई साल 2025 शुरू हो गया लेकिन हेलिकॉप्टर ना आया। साल 2024 की

जनवरी में ही टाटा एडवांसड सिस्टम लिमिटेड और बोईंग के ज्वाइंट वेंचर टाटा बोईंग एरोस्पेस लिमिटेड ने सेना के पहले अपाचे का फ्युसलेज यानी की फ्रेम सेना को हैंडओवर किया था। यह फैसेलिटी हैदराबाद में स्थित है। इसके बाद इसे अमेरिका के एरिजोना में बोईंग की फैसिलिटी में भेजा गया जहां दुनिया की तमाम आधुनिक तकनीक और वेपन सिस्टम से लेस कर के थलसेना को सौंप जाना है। इस फैसेलिटी ने अब तक 250 से ज्यादा फ्यूसलेज डिलिवर कर चुकी है। अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे ताकतवर हेलिकॉप्टर में शुमार है।

दिल्ली में आप-बीजेपी ने लगाए एक-दूसरे पर मारपीट और पैसे बांटने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में सोमवार देर रात तक हंगामा हो गया। राजनीतिक पार्टियों ने एक-दूसरे पर मारपीट और पैसे बांटने के आरोप लगाए हैं। हंगामे के बीच आधी रात को दिल्ली सीएम आतिशी गोविंदपुरी थाने पहुंचीं। आतिशी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने बीजेपी कार्यकताओं पर दिल्ली के झुग्गी वालों को धमकाने का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने दो केस दर्ज किए हैं। दोनों ही मामले आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े हैं। इनमें से एक केस सीएम आतिशी के खिलाफ दर्ज किया गया है। आतिशी पर आरोप है कि वह 10 गाड़ियों में अपने 50-60 समर्थकों के साथ फतेह सिंह मार्ग पहुंची। पुलिस ने जब अचार संहिता का हवाला देते हुए वहां से जाने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। चुनाव आयोग की शिकायत पर आतिशी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरा मामला आतिशी के समर्थकों के खिलाफ दर्ज हुआ है। यह मामला

सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस पर हमले को लेकर दर्ज किया गया है। एक वीडियो में आतिशी के समर्थक को पुलिस वाले को थप्पड़ मारते देखा जा सकता है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पुलिस वाला वीडियो बना रहा था। तभी आतिशी के साथ रहने वाले दो लोगों में से एक ने वीडियो बना रहे पुलिस वाले को थप्पड़ मारा। वहीं उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के भतीजे मनीष बिधूड़ी पर रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल एक्ट के तहत कर्रवाई की गई है। एक गाड़ी में संदिग्ध सामान होने की बात की जा रही थी लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला।

एनसीसी और एनएसएस से मिल रही है चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की शिक्षा : राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी एन.सी.सी. और एन.एस.एस. का हिस्सा जरूर बने। इससे चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संस्कारों पर आधारित शिक्षा मिलती है। व्यक्ति में राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्प और समर्पण की भावना पैदा करती है। राज्यपाल पटेल एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के एट होम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन भी मौजूद रहे। राज्यपाल पटेल ने गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में शामिल हुए एन.सी.सी. कैडेट्स और एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की बधाई दी। उन्होंने विभिन्न श्रेणियों के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि वर्तमान समय युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य की असीम संभावनाओं से भरा है। जरूरत एकीकृत, एकजुट, एकमत और एकता के साथ समाज तथा राष्ट्र के लिए कार्य करने एवं देश की समकालीन संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न पहलुओं में हो रहे, सुखद बदलावों को समझते हुए प्रेरणा प्राप्त करने की है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि एन.सी.सी. का मूल उद्देश्य, युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और अनुशासन में रहते हुए एकता की भावना का विकास करना है। इसी प्रकार एन.एस.एस. समाज सेवा से राष्ट्र निर्माण पर आधारित गतिविधियों से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर जिम्मेदार नागरिक बनाने की सराहनीय योजना है। उन्होंने कहा कि युवा ही हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से भावी पीढ़ी को जोड़ने वाले सूत्रधार बन सकते हैं। युवाओं को संवेदनशीलता के साथ समाज के गरीब, वंचित, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांगजनों का साहस और संबल बनकर उनके सशक्तिकरण में सहयोग करना चाहिए। राज्यपाल पटेल का एनसीसी मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय के ए.डी.जी. मेजर जनरल विक्रांत एम. धुमने और एन.एस.एस. के राज्य अधिकारी डॉ. मनोज अग्निहोत्री ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल पटेल के समक्ष एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के प्रतिभागियों ने सामूहिक देशभक्ति गायन, गौरवशाली भारतीय संस्कृति पर आधारित समूह नृत्य और नाटिका प्रस्तुत की। स्वागत उद्बोधन ए.डी.जी. मेजर जनरल धुमने ने दिया। आभार मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ एन.एस.एस. के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने माना। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, एन.सी.सी. के ग्रुप कमान्डर ब्रिगेडियर अजीत सिंह, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. के प्रतिभागी और उनके अभिभावक गण उपस्थित थे।

चैतन्य है मां नर्मदा की धारा, इसके दर्शन से होते हैं सभी धन्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा की धारा चैतन्य है, इसके दर्शन मात्र से ही सभी धन्य होते हैं। माँ नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है। प्रदेश का सिंचाई रकबा 48 लाख हेक्टेयर से अधिक है, जिसमें से 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मां नर्मदा के जल से सिंचाई होती है। पारस पत्थर जैसे लोहे को सोना कर देता है, वैसे ही जल के पहुंचते ही सूखे खेत भी सोना ऊगलने लगते हैं। राज्य सरकार प्रदेश में सिंचाई के रकबे का तेजी से विस्तार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए एक लाख 75 हजार करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई है, इससे प्रदेश में केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाएं आरंभ होंगी। इन परियोजनाओं से एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हरदा जिले के छीपानेर में नर्मदा तट पर वेदगर्भा घाट के लोकार्पण अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा जिले में एक नई आईटीआई संस्था स्वीकृत करने और गोंदागांव में सरकारी खर्चे पर सर्वसुविधा युक्त गौशाला स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने 316 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। कार्यक्रम में डारा इंजीनियरिंग प्रायवेट लिमिटेड के मेनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पप्पू राम विश्नोई ने इस अवसर पर वैदिक विद्या पीठम्‌ चिचोट के विकास के लिये 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रख्यात विचारक सुरेश सोनी, प्रदेश के सहकारिता तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नर्मदापुरम्‌ सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व मंत्री कमल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, नगर पालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेडिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत पूर्व विधायक संजय शाह, प्रेम कुमार, स्वामी नित्य चैतन्य दास जी महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा में हुई अग्नि दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी विपदा में फंसे व्यक्तियों को तत्काल समुचित इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस दुर्घटना के एक माह बाद ही राज्य सरकार द्वारा दूरदराज के घायल व्यक्तियों के लिए निःशुल्क एयर एंबुलेंस संचालित करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में जहां हवाई पट्टी है, वहां विमान से और अन्य स्थानों पर हेलीकॉप्टर के माध्यम से एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराने की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई। गरीबों को भी समय पर इलाज मिले इसके लिए निःशुल्क हवाई जहाज/हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत ही प्रदेश में गरीब, महिला, किसान और युवा कल्याण मिशन प्रारंभ किए जा रहे हैं। युवा कल्याण मिशन से हम वर्ष-2028 तक प्रदेश के 70 प्रतिशत युवाओं को स्वावलंबी बनाएंगे। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से घर-घर गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गौपालन से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी कार्य जारी है। प्रख्यात विचारक सुरेश सोनी ने इस अवसर पर कहा कि माँ नर्मदा हमारे लिये जीवनदायिनी है, इसे प्रदूषित न करें। नर्मदा नदी प्रदूषण मुक्त बनी रहें, यह हम सभी का दायित्व है। उन्होने कहा कि नर्मदा नदी के दोनों तटों के आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाये जाने चाहिए क्योंकि वृक्ष ही नर्मदा नदी को पोषित करते हैं। सोनी ने कहा कि हमारे देश में नदियों को माँ का दर्जा दिया जाता है।

316.20 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का हुआ लोकार्पण/भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 316.20 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसमें 130.32 करोड़ रुपए लागत 21 कार्यों का भूमि-पूजन तथा 185.87 करोड़ रुपए लागत के 97 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम चिचोट कुटी में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा नर्मदा नदी के तट पर 11.07 करोड़ रुपए लागत से बनवाये गये घाट निर्माण का अवलोकन कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के 3, लोक निर्माण विभाग के 2, पीआईयू के 6, स्वास्थ्य विभाग के 3, नगरीय प्रशासन विभाग के 3 तथा विद्युत वितरण कम्पनी के 4 कार्य सहित 21 कार्यों का भूमि-पूजन हुआ। इसी तरह जिन 97 कार्यों का लोकार्पण किया गया, उनमें महिला एवं बाल विकास विभाग के 3, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 4, लोक निर्माण विभाग के 29, पीआईयू के 6, सेतु विकास निगम का 1, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 52 तथा विद्युत वितरण कम्पनी व नर्मदा घाटी विकास विभाग के 1-1 कार्य शामिल है।

आनंदमय जीवन के गुर सीख रहे खाद्य विभाग में अधिकारी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के 64 अधिकारी/कर्मचारी आनंदित जीवन के रहस्य सीखने के लिए 29 से 31 जनवरी तक एनआईटीटीटीआर भोपाल शामिल हुए। आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर्स ने "जीवन का लेखा-जोखा, संपर्क सुधार, दिशा, रिश्तों की गहराई और पावर ऑफ साइलेंस" जैसे प्रभावी टूल्स के माध्यम से सुखी और संतुलित जीवन जीने के गुर सिखाए। कार्यक्रम के समापन सत्र में संयुक्त नियंत्रक के.एस. चौहान, आनंद संस्थान के सीईओ आशीष कुमार, निदेशक प्रवीण गंगराड़े और सत्यप्रकाश आर्य उपस्थिति रहे। विशेषज्ञों की टीम, जिसमें डॉ. सुधीर आचार्य, हितेंद्र बुडोलिया, प्रेमांजलि त्रिवेदी, आशा असाटी, लखन लाल असाटी और प्रदीप महतो ने प्रतिभागियों को प्रेरणादायक और व्यावहारिक सीख जानकारी दी। विशेष प्रशिक्षण न केवल अधिकारियों के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को संतुलित करने में मदद करेगा, बल्कि सकारात्मक सोच और आनंदित रहने की कला को भी बढ़ावा देगा।

सिंगाजी ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर तीन ने बनाया नया रिकार्ड

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने अपनी स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया है। इकाई नंबर 3 ने गत दिवस 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन किया। इस दौरान यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 99.94 फीसदी रहा। इससे पूर्व इस इकाई द्वारा 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक विद्युत उत्पादन किया गया था। यूनिट नंबर 3 ने कमीशनिंग के 6वें दिन ही दैनिक उत्पादन का रिकार्ड बनाया था। सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली एवं दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं। दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाने वाली इकाई नंबर 3 की कमीशनिंग 18 नवम्बर 2018 को हुई थी। इस यूनिट ने अपनी कमीशनिंग के 6वें दिन 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक बिजली उत्पादन किया था। जो अब तक का सर्वाधिक दैनिक विद्युत उत्पादन था। यह रिकार्ड गत दिवस 3 फरवरी को उस समय टूटा जब इस यूनिट ने एक दिन में 158.3 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर दिया। सिंगाजी ताप विद्युत गृह को डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल और एनसीएल से कोयले की प्राप्ति होती है। विद्युत गृह में उत्पादित होने वाली विद्युत की निकासी 400 केवी एवं 220 केवी पीथमपुर और छैगांव पारेषण लाइनों से होती है। सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभियंताओं और कार्मिकों को नया दैनिक विद्युत उत्पादन का रिकार्ड कायम करने के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई एवं कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने बधाई दी।

शहरों में बुनियादी अधोसंरचनात्मक विकास भावी आवश्यकताओं की करेगा पूर्ति : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास के विजन के अनुरूप प्रदेश के शहरों में विकसित हो रहा बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य की नगरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा। इससे न केवल बढ़ती शहरी आबादी को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी अपितु शहर समृद्ध और विकसित होंगे। विकास के इस विजन को साकार करने के लिए प्रदेश के 07 शहरों में स्मार्ट-सिटी मिशन चलाया जा रहा है। भोपाल एवं इंदौर का मेट्रोपोलिटिन के रूप में विकास हो रहा है और भोपाल के आसपास के क्षेत्र को सम्मिलित कर राज्य राजधानी क्षेत्र के रूप में विकास की रणनीति का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि स्मार्ट-सिटी परियोजना में शामिल प्रदेश के 7 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, सागर और उज्जैन में पिछले एक वर्ष में 1253 करोड़ 65 लाख रुपए के 81 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। वर्तमान में इन शहरों में 828 करोड़ रुपए के 43 कार्य प्रगति पर है। ये शहर महत्वपूर्ण अधोसंरचनाओं, प्रभावी सार्वजनिक सेवाओं और सतत शहरी योजना से लैस आधुनिक शहरी केंद्र बनने के लिए महत्वपूर्ण विकास के दौर से गुजर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्मार्ट-सिटी मिशन-2.0 के अंतर्गत उज्जैन और जबलपुर के लिए 370 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जो इन शहरों की अवसंरचना को आधुनिक बनाने में मदद करेगा। इस मिशन का उद्देश्य ऐसे शहरों का निर्माण करना है जो विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान कर सकें और नवाचार और आर्थिक गतिविधि के केंद्र बन सकें, जिससे राज्य के समग्र विकास में योगदान हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार भोपाल को एक मेट्रोपोलिटन सिटी में परिवर्तित करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। शहर के विकास की इस योजना में भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने और निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के प्रयास शामिल हैं। भोपाल के शहरी विकास का समर्थन करने के लिए एक प्रमुख परियोजना मेट्रो रेल प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है। भोपाल और इंदौर में 14,440 करोड़ रुपए के निवेश से मेट्रो परियोजनाएं लागू की जा रही हैं, जिनसे यातायात सुगम होगा, भीड़-भाड़ कम होगी, सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा और बढ़ती आबादी के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। स्मार्ट-सिटी योजना के अंतर्गत ही 'द सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट, इंटीग्रेट एण्ड सस्टेन' (सीआईटीआईआईएस 2.0) प्रोग्राम के कम्पोनेन्ट-1 में राज्य के 2 स्मार्ट सिटी शहर उज्जैन एवं जबलपुर का चयन किया गया है। केन्द्र सरकार की इस योजना के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिये चयनित प्रत्येक शहर को 135 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिलेगी। केन्द्र सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेटस अंडर पार्ट-श्कके अंतर्गत 'एक जिला-एक उत्पाद' के प्रचार-प्रसार और विक्रय के लिये उज्जैन शहर में 284 करोड़ रुपए लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिये प्रथम किश्त के रूप में 142 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। योजना से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन के साथ जिलों में छोटे-मझोले व्यापारियों को उनके उत्पादों के विक्रय के लिए स्थान प्राप्त होगा। इसे वर्ष 2025 तक पूरा किये जाने का लक्ष्य तय किया गया है। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नर्चरिंग नेबरहुड 1.0 के अंतर्गत किये गये कार्यों के लिये जबलपुर और इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मानित किया जा चुका है। जबलपुर स्मार्ट-सिटी द्वारा आंगनवाड़ी, पार्कों का?विकास और सिविल अस्पतालों में बच्चों के लिये वैक्सीनेशन सेंटर का निर्माण प्रमुख रूप से किया गया है। इंदौर स्मार्ट-सिटी द्वारा सार्वजनिक स्थलों और ज्यादातर बस्तियों में विकास कार्य किये गये हैं। इंदौर स्मार्ट-सिटी में जिज्ञासारत उमंग वाटिका और कर्मरथ आदि कार्य प्रगति पर हैं। सिंचाई और कृषि के क्षेत्र में प्रदेश सरकार ने बुनियादी संरचनाओं के विकास के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। किसानों के लिए पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2028 तक इसे 1 करोड़ हेक्टेयर तक सिंचित रकबा बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजनाओं से प्रदेश सरकार का यह लक्ष्य आसानी से पूरा हो सकेगा।

बाबासाहेब के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में करें आत्मसात : मंत्री श्री परमार

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने के बाद से ही, प्रदेश में शिक्षा में आमूलचूल और व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश नए संकल्प के साथ, भारत केंद्रित शिक्षा और भारतीय दर्शन से समृद्ध शिक्षा की ओर सतत आगे बढ़ रहा है। शिक्षा में व्यापक परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, राज्य सरकार ने सीएम राइज योजना के अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए हैं। निर्धनता, अब शिक्षा अर्जित करने में बाधा नहीं बन सकेगी। निर्धन अभिभावक का दर्द समझकर ही सीएम राइज योजना अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। सभी वर्ग के विद्यार्थी समान रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा अर्जित कर सकेंगे। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कही। मंत्री परमार मंगलवार को शाजापुर जिले की शुजालपुर विधानसभा के गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में "भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम" में संबोधित कर रहे थे। मंत्री परमार ने गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री परमार ने कहा कि प्रदेश के प्रथम सीएम राइज विद्यालय के रूप में स्थापित होने के समय ही, हमने इस विद्यालय का नामकरण बाबा साहेब के नाम पर कर दिया था। परमार ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन देश और समाज के लिए एवं सभी के लिए समान अधिकारों के लिए समर्पित रहा। इसके लिए उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना था। परमार ने कहा कि बाबा साहेब सभी के लिए श्रद्धा का केंद्र हैं, सभी वर्ग के लोग उनका सम्मान करते हैं और उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेते हैं। मंत्री परमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और उनकी तरह ही राष्ट्र निर्माण के लिए देशभक्त एवं ईमानदार नागरिक बनने की ओर आगे बढ़ें। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। परमार ने कहा कि विद्यालय परिसर में महापुरुषों के लिए कथनों पर आपस में संवाद कर, उन्हें अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। परमार ने कहा कि गौलाना में शीघ्र ही महाविद्यालय का भी लोकार्पण होगा, इससे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर सुलभ रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक उच्च शिक्षा प्राप्त हो सकेगी। परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि मातृभूमि, जन्मभूमि, मां गंगा जैसी नदियां एवं गौमाता, इन चार माताओं के प्रति जीवन भर कृतज्ञता ज्ञापित करने का भाव जागृत करें। परमार ने कहा कि निरंतर अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से आगे बढ़ें और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता के भाव को आत्मसात करें। परमार ने कहा कि हम सभी की सहभागिता से स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने विद्यालय का भ्रमण कर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा भी की और विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई के बारे में संवाद भी किया।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये कौशल उन्नयन को दें बढ़ावा : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये समाज के सभी वर्गों के बीच कौशल उन्नयन को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने आज की जरूरत के मुताबिक ट्रेडों पर कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिये जाने पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने मंत्रालय में अधिकारियों से चर्चा के दौरान यह बात कही। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के मध्य एमओयू किया गया। एमओयू के बाद प्रदेश में राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान से 93 प्रकार के कौशल उन्नयन के कोर्स किये जा सकेंगे। एमओयू पर संचालक श्री प्रभात राज तिवारी और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के सचिव श्री शकील अहमद द्वारा हस्ताक्षर किये गये। कौशल विकास के पाठ्यक्रम शुरू होने से जन-सामान्य और लाड़ली बहना लाभान्वित होंगी। नई शिक्षा नीति-2020 में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को मुख्य-धारा में लाने पर जोर दिया गया है। दोनों संस्थान प्रदेश के इच्छुक युवाओं को कम्प्यूटर और इंटरनेट प्लेटफार्म से भी व्यावसायिक शिक्षा का अवसर प्रदान करेंगे। प्रदेश में शैक्षिक पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को कक्षा-6वीं से ही शामिल किया जायेगा। इसके बाद इन्हें उच्च शिक्षा से भी जोड़ा जायेगा।

महिलाओं के प्रशिक्षण पर जोर दिया जायेगा

संस्थान के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि लाड़ली बहना से लाभान्वित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की जायेगी। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के देशभर में 23 क्षेत्रीय केन्द्र और 7 हजार से अधिक अध्ययन केन्द्र संचालित हो रहे हैं। शिक्षार्थियों को नामांकन करने, परीक्षा लेने और उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे। यह प्रमाण-पत्र उन्हें रोजगार दिलाने और स्वयं का रोजगार शुरू करने में मददगार साबित होगा।

मां नर्मदा के प्रवाह तक रहेगा जीवन... तब तक सभ्यता भी जीवित है

भक्ति के साथ-साथ संकल्प ले कि मां की धारा स्वच्छ और निर्मल बनी रहे : राकेश सिंह

मां नर्मदा के प्राकट्योत्सव पर मां नर्मदा का रथ खींचते हुए नर्मदा तट पहुंचे लोक निर्माण मंत्री

संतो की उपस्थिति में ग्वारीघाट के उमाघाट में 11 सौ फीट लंबी चुनरी की अर्पित

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पुण्य सलिला जीवनदायिनी मां नर्मदा की अविरल धारा हमे जीवन देने के साथ ही हमारे जीवन में समृद्धि और खुशहाली देती है। हम सौभाग्यशाली है कि मां के तट के किनारे हमे रहने का अवसर हमे मिला इसीलिए आज उनके प्राकट्योत्सव पर हमे मिलकर संकल्प लेना होगा की मां नर्मदा को स्वच्छ और निर्मल रखेंगे और दूसरो को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे, यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मां नर्मदा प्राकट्योत्सव के अवसर पर नर्मदा तट गौरीघाट में कही। नर्मदा प्राकट्योत्सव पर संतो के सानिध्य और लोक निर्माण मंत्री के नेतृत्व में रेतनाका से गौरीघाट तक मां नर्मदा की प्रतिमा को विराजित कर रथयात्रा निकाली गई। पूरे यात्रा मार्ग में मंत्री श्री सिंह नंगे पैर प्रारंभ स्थल से ग्वारीघाट तक रथ को खींचते हुए गए। श्री सिंह ने जबलपुर सहित प्रदेश के सभी निवासियों को नर्मदा जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा मां नर्मदा जी मात्र नदी ही नहीं हैं, बल्कि कंकर-कंकर में शंकर को प्रकट करने वाली हैं, अपने पावन तट पर आद्य जगतगुरु शंकराचार्य को सनातन संस्कृति को दिशा देने वाली रचनाओं की प्रेरणा प्रदान करने वाली हैं, साथ ही अन्नदाताओं को समृद्धि प्रदान करने वाली हैं। उन्होंने कहा पवित्र नदियों में स्नान से पुण्य फल प्राप्ति की मान्यता है, जबकि मां नर्मदा के दर्शन से ही कहीं ज्यादा पुण्य मिल जाता है। कल-कल, छल-छल प्रवाहित अविरल धारा हमें जीवन, समृद्धि और खुशहाली देती है, साथ ही सतत आगे बढ़ाने की प्रेरणा भी मिलती है। सहायक नदियों को समाहित करती मां नर्मदा आगे बढ़ती हैं और मानों संदेश देती हैं कि हम सभी को साथ लेकर चलें। मां नर्मदा की प्रेरणा से जब हम सृजन के लिए आगे बढ़ते हैं तो समाज का हर वर्ग साथ देने आता है।

सिर पर मां नर्मदा की प्रतिमा धारण कर पहुंचे तट मंत्री सिंह : रथयात्रा ग्वारीघाट पहुंचने पर मंत्री राकेश सिंह ने अपने सिर पर मां नर्मदा की प्रतिमा रखकर पूरी सीढ़िया उतरकर उमाघाट पहुंचे इसके उपरांत मां नर्मदा का पूजन और आरती की गई।

11 सौ फीट चुनरी मां को अर्पित : ग्वारीघाट स्थित उमागाहट में संतो के सानिध्य में श्री सिंह ने जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओ के साथ मिलकर मां नर्मदा का पूजन अर्चन किया इसके उपरांत मां नर्मदा के इस छोर उमाघाट से दूसरे छोर गुरुद्वारे तक 11 सौ फीट लंबी चुनरी अर्पित की। श्री सिंह के निर्देश पर मां नर्मदा को चुनरी अर्पित करने हेतु इस बार विशेष व्यवस्था की गई थी जिसमे दोनो छोर पर बेस बनाकर पोल लगाए गए थे जिसमे तार के माध्यम से इस छोर से दूसरे छोर तक आसानी से चुनरी अर्पण की गई।

पैदल पहुंचे और पैदल ही वापस लौटे मंत्री : मां नर्मदा जन्मोत्सव के अवसर पर ग्वारीघाट में आयोजित कार्यक्रम में पैदल रथ लेकर पहुंचे लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह पूजन अर्चन के बाद पैदल ही पार्किंग स्थल तक पहुंचे। गौरतलब है कि मंत्री श्री सिंह ने पूर्व में ही घोषणा की थी कि मां नर्मदा के तट वह पैदल जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। मंत्री श्री सिंह ने नागरिकों से भी आग्रह किया था कि असुविधा से बचने हेतु पार्किंग में वाहन खड़ा कर पैदल घाट जाए। मंत्री श्री सिंह के निर्देश पर प्रशासन ने जो व्यवस्था की थी उसका परिणाम था कि इस बार नर्मदा तटों किसी भी तरह की परेशानी का सामना श्रद्धालुओं को नही करना पड़ा।

भंडारों और पूजन साम्रगी की दुकानों के लिए चिन्हित हुए स्थल : इस वर्ष मां नर्मदा प्राकट्य उत्सव में मंत्री श्री सिंह के निर्देश पर घाट पर होने वाले भंडारों पर प्रतिबंध लगाते हुए भंडारों के लिए झंडा चौक से आयुर्वेदिक कॉलेज तक स्थल आवंटित किए गए और सभी भक्तो ने वही पर भोग प्रसाद ग्रहण किया इससे जगह जगह गंदगी नही हुई और न ही घाटों पर प्रसाद बिखरा। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा मां नर्मदा हम सभी की जीवन दायिनी है और मां के प्राकट्य उत्सव में पूरे श्रद्धा भाव से श्रद्धालु नर्मदा तट आते है इसीलिए इस वर्ष तटों को अतिक्रमण मुक्त रखने के साथ ही भंडारों के लिए अलग से स्थान, पार्किंग स्थल से पैदल जाने की व्यवस्था और बुजुर्गो व दिव्यांगजनों हेतु ई रिक्शा की व्यवस्था की गई थी। शुरूआत में जरूर इन व्यवस्थाओं के लिए विरोध हुआ पर जब इन व्यवस्थाओं से जबलपुर और आसपास से आने वाले श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन और पूजन किया तब उन्हे भी यह व्यवस्थाएं उचित लगी।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर पूज्य स्वामी गिरिशानंद महाराज, पूज्य कालीनंद, पूज्य राम भारती, पूज्य बुधेश्वरानंद महाराज के साथ नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, लेखराज सिंह मुन्ना, पंकज दुबे, रजनीश यादव, अभय सिंह, अरविंद पाठक, ओंकार दुबे, मनीष दुबे, कौशल सूरी, योगेंद्र सिंह ठाकुर रूपा राव, संतोष यादव, शैलेंद्र विश्वकर्मा, प्रणय गुप्ता, प्रशांत दुबे गुल्लन, शारदा कुशवाहा, मालती चौधरी, डॉक्टर संजय चौधरी , सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मां नर्मदा प्रकटयोत्सव पर प्रशासन ने किए अभूतपूर्व सुरक्षा के इंतजाम

पुण्य सलिला मोक्षदायिनी माँ नर्मदा संस्कारधानी ही नहीं, अपितु संपूर्ण महाकौशल की जीवन रेखा मां नर्मदा के प्राकट्योत्सव पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु गौरीघाट के तट पर पूजन अर्चन करने पहुंचे। इस दौरान जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए। लाइफ जैकेट के साथ पुलिस विभाग की टीम नदी में निरंतर डटी रही। कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय व्यवस्थाओं पर नजर रखे रहे। घाट तक कोई वाहन न पहुंचे, इसके लिए अनेक डायवर्जन बनाए गए।

नगर निगम की व्यवस्थाएं रहीं चाकचौबंद - निगमायुक्त यादव

नर्मदा जयंती का पर्व नर्मदा के सभी तटों के साथ-साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। जहॉं पर नगर निगम की व्यवस्थाएं चाकचौबंद रहीं। इन सभी व्यवस्थाओं पर निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव खुद सतत रूप से नजर रखीं रहीं और अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पूरे समय खुद भी डटी रहीं। इस संबंध में निगमायुक्त श्रीमती यादव ने बताया कि मॉं नर्मदा प्रकाटोत्सव पर्व पर कहीं किसी प्रकार से श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं हुई। निगमायुक्त ने बताया कि तटों पर विशेष रूप से साफ-सफाई, प्रकाश, सड़कों की मरम्मत, यातायात को बेहतर प्रबंधन एवं अतिरिक्त पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ साज-सज्जा, पार्किंग, एनाउंसमेंट, कंट्रोल रूम के अलावा विभिन्न सहायता केन्द्रों के माध्मय से भी श्रद्धालुओं को राहत प्रदान की गयी। इसके लिए मेला समिति प्रबंधन की ओर से प्रशासन की सराहना की गई तथा निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के प्रति उत्तम व्यवस्था प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मेला अधिकारी एवं स्मार्ट सिटी के सी.ई.ओ. अनुराग सिंह, अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, विद्यानंद बाजपेयी, श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, मनोज श्रीवास्तव, उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शीवेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र मिश्रा, नवीन लोनारे, स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल, क्रीड़ा अधिकारी राकेश तिवारी, संभागीय अधिकारी सागर बोरकर, संभागीय यंत्री पवन श्रीवास्तव, कविस मिश्रा, वीरेन्द्र पाण्डेय, आशीष पाठकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, अर्जुन यादव, पोला राव, धर्मेन्द्र राज, आदि उपस्थित रहे।

मां नर्मदा जन्मोत्सव के उपलक्ष में मां नर्मदा जी को 2100 फीट की चुनरी अर्पित कर किया श्रृंगार

मां नर्मदा चुनरी पदयात्रा समिति के अध्यक्ष रामदास यादव ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में मां नर्मदा श्रद्धालु भक्तों के साथ 2100 फीट की विशाल चुनरी मां नर्मदा जी के जन्म उत्सव के उपलक्ष में मां नर्मदा जी को सिद्ध धाम ग्वारीघाट में पूजन आरती के साथ इस तट से उस पार तट तक चुनरी अर्पित कर श्रृंगार किया गया। चुनरी चढ़ाने के दौरान शामिल हजारों की संख्या में माताएं, बहनें, बच्चे, युवा, बुजुर्गों ने मां नर्मदा जी के जयकारे लगाते हुए अपनी अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने की मन्नत मांगी। इस अवसर पर रामदास यादव, संदीप यादव, ईश्वरी पटेल,अमन यादव, सतीश एवं बड़ी संख्या में नर्मदा कार्य सेवक सामिल रहे।

नर्मदा प्रकटोत्सव पर गौरीघाट में उमड़ा जनसैलाब, दादा गुरु के दरबार में लगा भक्तों का तांता

वही मां नर्मदा के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिए निराहार व्रतधारी दादा गुरु के दरबार में भी भक्तों का तांता लगा रहा। यहां कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु सहित हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल गौरीघाट पहुंचे। मां नर्मदा का दूध और फूलों से किया अभिषेक। उसके बाद दादा गुरु के दर्शन करने भी मंत्री पटेल पहुंचे। पत्रकारों से चर्चा करते हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि वृक्ष लगाना मां नर्मदा को शुद्ध रखना, यह दादा गुरु का हम सभी को संदेश है। हम सभी दादा गुरु का अनुसरण करेंगे तो निश्चित रूप से मां नर्मदा तो स्वच्छ होगी ही और पर्यावरण भी स्वस्थ होगा। वहीं महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि निराहार व्रत पालन करना यह तो दादा गुरु में ही समर्थ है, दुनिया भी मानेगी। निश्चित रूप से दादा गुरु देव तुल्य है। दादा गुरु मां नर्मदा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिए हैं और जन जागरण का अभियान चला रहे हैं।

सुहावनी गीत से किया ऋतुराज बसंत का स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

सरस्वती शिशु मंदिर राँझी जबलपुर के तत्वाधान में चलने वाले सरस्वती संस्कार केन्द्र मनमोहन नगर सुदर्शन वार्ड में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर माँ सरस्वती का पूजन अर्चन,भजन गीत आरती इत्यादि का आयोजन किया गया । इस अवसर पर ऋतु बसंत सुहावनी, फागुन के दिन चार के मधुर प्रस्तुति से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृखंला में छोटी छोटी गईया छोटे-छोटे ग्वाल, बरसाने में श्याम आया,छतीस गढ़ी गीत हमार पारा तोहार पारा, राधा नृत्य की आर्कषक प्रस्तुति की गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। अंत में प्रसाद वितरण से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर राँझी के प्राचार्य श्री रमाशंकर जी यादव, समाजसेवी श्रीं प्रेम सिंह जी संस्कार केन्द्र प्रभारी आचार्य श्री यदुवेन्द्र कुमार यादव, केन्द्र संचालिका दीदी श्रीमती गीता उइके, की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की उपेक्षा दूर करवाने अजय सिंह राहुल को मुस्लिम विकास परिषद ने दिया ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

म.प्र. की भाजपा सरकार द्वारा मुस्लिम बहुल क्षेत्रो की उपेक्षा किये जाने पर म.प्र. विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मंत्री अजय सिंह राहुल के नगरागमन पर चाय पे चर्चा के दौरान म.प्र.कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री राशिद सुहेल सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार हाजी मुईन खान की उपस्थिति मे मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी ने ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि भाजपा द्वारा मुस्लिम बहुल क्षेत्रो की उपेक्षा कर रही है। वहां के वाशिंदे सडक, बिजली, पानी, साफ-सफाई फ्लाई ओवर के लिये तरस रहे है। आधार कार्ड, आयुस्मान कार्ड, समग्र आईडी के शिविर न लगाये जाने से न तो नये कार्ड बन रहे है और न ही त्रुटि सुधार का कार्य हो पा रहा है। मुस्लिम क्षेत्रो मे कोई सुध लेने तैयार नही है, जिस कारण उन्हे योजनाओ का लाभ भी नही मिल पा रहा है। श्री राहुल द्वारा आश्वस्त किया गया कि मुसिलमों के साथ भेदभाव न हो इस संदर्भ में मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। ज्ञापन देने के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता राशिद सुहेल सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार हाजी मुईन खान, मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, एजाज उस्मानी, नूरूल्लाह खान, पत्रकार रफीक खान, एड.बहार अंसारी, एड.सलीम खान, डॉ.निसार अंसारी, एड.सैयद शहजाद हुसैन, मामूर गुड्डू, शेख निजामी, अब्दुल बाकी खान, हाशिम राजा, ताहिर खोकर, अशरफ शिराजी, बब्लू कुरैशी, मुज्जफर कुरैशी, पत्रकार आरिफ खान, फैजान कुरैशी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी- अपर कलेक्टर सुश्री सिंह

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह की अध्यक्षता में आज सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की सीएम हेल्पलाईन की एक-एक कर समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण प्राथमिकता से करें। निम्न गुणवत्ता से बंद किये गये सभी शिकायतों को देखें, साथ ही 50 दिन से अधिक के प्रकरणों को पहले निराकृत करें। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सीएम हेल्पलाईन के निराकरण से ही जिले की रैंकिंग बनती है अतः इस दिशा में सक्रियता से कार्य करें।

पटवारी अब नियत दिन, नियत समय पर, नियत ग्राम में उपस्थित मिलेंगे

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने प्रशासनिक कसावट व राजस्व अभियान में तेजी लाने के लिए दिये निर्देश के तारतम्य में सभी तहसीलदारों द्वारा ग्रामों में पटवारियों की उपस्थिति के समय व दिन नियत किये गये हैं। अब जिले की सभी तहसीलों के सभी हल्कों में कौन-कौन दिन, कौन-कौन से पटवारी सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक मुख्यालय में रहकर कार्य करेंगे, इसकी विस्तृत सूची जारी की गई है। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि राजस्व से जुड़े सभी प्रकरणों को समय पर व तत्परता के साथ निराकरण करने के लिए पटवारी मुख्यालय पर रहें। साथ ही कहा कि रेंडमली उनकी उपस्थिति की जांच कराई जायेगी। यदि पटवारी नियत दिन, नियत समय पर, नियत ग्राम में उपस्थित नहीं मिलते हैं तो उनके विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि आधार से आरओआर लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, नक्शा बटांकन, सीमांकन आदि के काम में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के शिकायतों के निराकरण में भी उचित कदम उठायें।

जनसुनवाई में प्राप्त हुए 5 प्रकरण

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निदेर्शानुसार अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने जनसुनवाई कक्ष में आज दिनांक 04 फरवरी 2025 को प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक नागरिकों की समस्याऍं सुनी। इस दौरान भवन शाखा, अतिक्रमण, एवं संबल योजना से संबंधित 5 जनसमस्याऍं प्राप्त हुई, जिसका निराकरण सुनवाई के दौरान ही किया गया। अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने बताया कि सभी प्राप्त शिकायतें संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निराकरण हेतु प्रेषित की गयी हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम के संभाग क्रमांक 1 से 16 में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया तथा नागरिकों की समस्याऍं सुनी गई और उनका निराकरण भी कराया गया। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आये 106 आवेदन

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 106 आवेदन दिये। जिसमें 75 नये आवेदन हैं तथा 31 ऐसे आवेदन है जो पूर्व में भी आ चुके थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर अवैध कब्जा हटाने, आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति भुगतान, बंटवारा, सीमांकन, लड़ाई-झगड़ा, ड्रोन सर्वे में छूटे गये नाम जोड़ने में, संबंल योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि भुगतान करने, पीएम किसान योजना में नाम जोड़ने, अभिलेख दुरूस्त करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईडी, चिकित?सा सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, आवास योजना का लाभ दिलाने, बीपीएल कार्ड बनवाने आदि से संबंधित आवेदन थे।

संपादकीय

महाकुंभ -अतिविशिष्ट व्यक्तियों के लिए वीआईपी प्रोटोकाल खत्म, शानदार पहल

प्रयागराज में इस बार के महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, इसकी संभावना पहले से थी। इसके समांतर सरकार की ओर से जिस पैमाने पर आयोजन और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में प्रचार किया गया था, उसमें किसी बड़े हादसे की आशंका कम लोगों को रही होगी। मगर पिछले कुछ दिनों के भीतर वहां व्यापक पैमाने पर फैली अव्यवस्था और उसके नतीजे में दुर्घटना के उदाहरण सामने आए, वे हैरान करने वाले हैं। वहां आम लोगों के लिए रात में टिकने से लेकर आस्था की डुबकी लगाने तक की स्थिति इतनी विकट थी कि बहुतों के लिए महाकुंभ एक दुस्वप्न बन रहा था। इसी बीच मौनी अमावस्या के मौके पर हुई भगदड़ और उसमें कई लोगों की मौत मेले में अव्यवस्था के चरम उदाहरण के रूप में सामने आई। इस तरह की बहुस्तरीय समस्याओं की जड़ में एक बड़ा कारण यह देखा गया कि मेले में पहुंचने वाले विशिष्ट या अति विशिष्ट लोगों के लिए कुछ विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। इसका असर स्वाभाविक रूप से वहां पहुंचे आम लोगों की गतिविधियों पर पड़ा और नतीजे में एक त्रासद घटना हुई। अब देर से सही, उत्तर प्रदेश की सरकार ने एक सख्त, लेकिन जरूरी फैसला किया है, जिसके तहत अमृत स्नान और सभी प्रमुख स्नान पर्वों के मौके पर विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद अब अमृत स्नान के साथ-साथ प्रमुख स्नान पर्वों और इसके नजदीक की तिथियों पर प्रशासन की ओर से किसी भी तरह के 'वीआइपी प्रोटोकाल' लागू नहीं होंगे। यों मेले में कई स्तर पर जिस तरह की असुविधाएं पैदा हो रही थीं, उस संदर्भ में ऐसी शिकायतें आम थीं कि प्रशासनिक अमले का एक बड़ा हिस्सा अति विशिष्ट लोगों को निर्बाध तरीके से वहां आने और स्नान आदि के लिए सुविधाएं और सुरक्षा मुहैया कराने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, इस वजह से श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती तादाद के मद्देनजर विशेष तिथि वाले स्नान पर्व के दिन व्यवस्था संबंधी समस्या पैदा होने की आशंका खड़ी हो रही थी।

आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है। लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में चल रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

विनिर्माण के क्षेत्र में जरूर कुछ चुनौतियां बनी हुई है एवं कई प्रयास करने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी बढ़ नहीं पा रही है। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की क्षमता है।

दिनांक 31 जनवरी 2025 को भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा लोक सभा में देश का आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया गया। स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है।

लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में चल रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है क्योंकि देश में अच्छे मानसून के चलते रबी की फसल के बहुत अच्छे स्तर पर रहने की सम्भावना है और इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर भी कम होगी, जिससे नागरिकों के हाथ में अन्य उत्पादों को खरीदने के लिए धन की उपलब्धता बढ़ेगी। आज केवल खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर कुछ अधिक मात्रा में बनी हुई हुई है अन्यथा कोर महंगाई की दर तो पूर्व में ही नियंत्रण में आ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम अर्द्धवार्षिकी में समग्र महंगाई की दर भी नियंत्रण में आ जाएगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है। भारत आज अपने कच्चे तेल की कुल मांग का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें कम होंगी तो भारत में महंगाई भी कम होगी।

विनिर्माण के क्षेत्र में जरूर कुछ चुनौतियां बनी हुई है एवं कई प्रयास करने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी बढ़ नहीं पा रही है। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की क्षमता है। अतः विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा

देने के लिए भूमि, श्रम एवं पूंजी की लागत को कम करने की आवश्यकता है। इसके लिए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को गति देने की आवश्यकता है ताकि इन इकाईयों की उत्पादकता में सुधार हो सके एवं इनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत कम हो सके। विनिर्माण क्षेत्र में कार्य कर रही इकाईयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए जाने की आज महती आवश्यकता है।

सेवा क्षेत्र लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है एवं इस क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर अतुलनीय बनी हुई है। भारत में वर्तमान में महाकुम्भ मेला चालू है। आज प्रतिदिन एक करोड़ के आसपास श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए प्रयागराज में पहुंच रहे हैं। रेल्वे द्वारा प्रतिदिन लगभग 3,000 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए कुछ आंकड़ों के अनुसार, महाकुम्भ मेले से उत्तरप्रदेश में 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यवसाय एवं 25,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय उत्तरप्रदेश सरकार को होने की सम्भावना है। रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। यह समस्त कार्य न केवल धार्मिक पर्यटन, होटल व्यवसाय, छोटे छोटे उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री में अतुलनीय वृद्धि दर्ज करने में सहायक हो रहे हैं बल्कि इससे देश के सेवा क्षेत्र में भी विकास दर तेज हो रही है।

किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी अधिक होगी उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अधिक रहेगी क्योंकि विभिन्न उत्पादों को खरीदने के लिए अर्थव्यवस्था में मांग तो इसी वर्ग के माध्यम से उत्पन्न होती है। अतः देश में प्रयास किए जाने चाहिए कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में अधिक राशि उपलब्ध रहे। भारत में हालांकि समावेशी विकास हुआ है क्योंकि गरीबों की संख्या में तेजी से एवं भारी मात्रा में कमी दर्ज हुई है। परंतु, गरीबी रेखा से हाल ही में ऊपर आकर मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी शामिल हुए परिवार कहीं फिर से गरीबी रेखा के नीचे नहीं चले जायें, इस सम्बंध में भरसक प्रयास किए जाने चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में हो रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात में उतनी वृद्धि दर्ज नहीं हो पा रही है जितनी आर्थिक विकास की दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखने के लिए होनी चाहिए। इससे विदेशी व्यापार घाटा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। साथ ही, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत पर भी लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि विदेशी निवेश में आ रही कमी को अस्थायी समस्या बताया गया है और विभिन्न देशों में स्थितियों के सुधरने एवं अमेरिका में आर्थिक नीतियों के स्थिर होने के साथ ही, भारत में विदेशी निवेश पुनः बढ़ने लगेगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। वृद्धि दर में गिरावट के मुख्य कारणों में शामिल हैं देश में लोक सभा एवं कुछ राज्यों में विधान सभा चुनाव होने के चलते आचार संहिता लागू की गई थी, इससे केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों को अपने पूंजीगत खर्चों को रोकना पड़ा था। नवम्बर 2024 तक केंद्र सरकार द्वारा केवल 5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चे किये जा सके हैं, जबकि औसतन 90,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च प्रति माह होने चाहिए थे। क्योंकि, पूंजीगत खर्चों के लिए पूरे वर्ष भर का बजट 11.11 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित हुआ था। अब सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 9 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च ही हो सकते हैं। विभिन्न कम्पनियों द्वारा अदा किए जाने वाले कर में भी कमी दिखाई दी है और कुछ कम्पनियों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जिन जिन कम्पनियों की लाभप्रदता बहुत अच्छे स्तर पर बनी हुई है, इन कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि केंद्र सरकार के साथ साथ वे भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि देश में नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो और विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बढ़े, रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हों और महंगाई पर नियंत्रण बना रहे। विशेष रूप से देश में आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत करने में निजी कम्पनियों द्वारा अपनी भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में कमी करने के सम्बंध में भी अब गम्भीरता से विचार करना चाहिए ताकि विनिर्माण इकाईयों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत कम की जा सके और वैसे भी अब मुद्रा स्फीति तो नियंत्रण में आ ही चुकी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में मुद्रा बाजार में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि से तरलता को बढ़ाया ही है, इससे बैंकों द्वारा विभिन्न कम्पनियों, कृषकों एवं व्यापारियों को ऋण प्रदान करने में आसानी होगी।

आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 273 लाख करोड़ रुपए का रहा है जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 295 लाख करोड़ रुपए का हो गया, अब वित्तीय वर्ष 20224-25 में 324 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 357 लाख करोड़ रुपए का रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस प्रकार सम्भव है कि भारत आगामी 2/3 वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार बजट घाटा जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6.4 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 5.6 प्रतिशत का रहा था वह अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 4.8 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस प्रकार केंद्र सरकार द्वारा देश की वित्तीय स्थिति को लगातार मजबूत बनाए रखने के प्रयास सफल रहे हैं। केंद्र सरकार के बजट में कुल आय 34.3 लाख करोड़ रुपए एवं कुल व्यय 50.3 लाख करोड़ रुपए रहने की सम्भावना है, इससे बजट घाटा 16 लाख करोड़ रुपए का रह सकता है।

(लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक हैं)।

प्यार से देखोगे, तो अजनबी भी मुस्कराएगा

आपने क्या उलटी बातें सुनी हैं। आज हम उलटी बात करेंगे। देने से क्यों हमें ज्यादा मिलता है। देने से तो कम होना चाहिए। सामान्य नियम के मुताबिक। जिस पर उलटे नियम चलते हैं उसे हम उलटवांसी कहते हैं। आप यह जान लीजिए कि उलटवांसियां गहरे सत्य की तरह होती हैं, जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती हैं, उलटी लग सकती हैं, लेकिन जब आप इन्हें समझते हैं और अपने जीवन में अपनाते हैं, तो ये आपके जीवन को पूरी तरह बदल सकते हैं।

हम सबको लगता है कि देने से चीजें कम होती हैं। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो यह सच नहीं है। जब आप किसी को कुछ देते हैं - चाहे वह पैसा हो, समय हो, या प्यार हो - तो ब्रह्मांड आपको उससे कहीं अधिक लौटाता है। पैसे, समय और प्यार की हमारे जीवन में कमी ही इसलिए रहती है क्योंकि हम दूसरों को देने से ज्यादा उन्हें खुद के लिए चाहते हैं, खुद के लिए मांगते हैं। पर आपने खुद देखा होगा कि कोई आपसे पैसा मांगता है, तो आप ऐसे ही नहीं देते।

हम सबको लगता है कि देने से चीजें कम होती हैं। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो यह सच नहीं है। जब आप किसी को कुछ देते हैं - चाहे वह पैसा हो, समय हो, या प्यार हो - तो ब्रह्मांड आपको उससे कहीं अधिक लौटाता है। पैसे, समय और प्यार की हमारे जीवन में कमी ही इसलिए रहती है क्योंकि हम दूसरों को देने से ज्यादा उन्हें खुद के लिए चाहते हैं, खुद के लिए मांगते हैं। पर आपने खुद देखा होगा कि कोई आपसे पैसा मांगता है, तो आप ऐसे ही नहीं देते।

ऐसे ही जब आप उनके आगे जाकर हाथ फैलाते हैं, तो ब्रह्मांड भी, परमात्मा भी आपको नहीं देता। जैसे हम हैं वैसा ही ब्रह्मांड भी है, वैसे ही परमात्मा भी हैं। हम उन्हीं की संतान हैं। हममें उन्हीं के गुण हैं। होता क्या है कि जब आप किसी की मदद करते हैं, किसी को देते हैं, तो देने की वजह से आप अच्छा महसूस करते हैं। यह आपकी ऊर्जा को उच्चतर स्तर पर ले जाता है। आपकी बॉडी और माइंड में अच्छे वाइब्रेशंस पैदा होते हैं। आप अच्छा महसूस करते हैं।

जब आपकी इमोशनल स्टेट अच्छी हो जाती है, तो आप उसी तरह की घटनाओं को अपनी ओर खींचते हैं। परमात्मा या कहो कि ब्रह्मांड वैसी ही घटनाओं को तुम्हारी ओर भेजने लगता है। आपके जीवन में अपने आप लोग भी अच्छे आने लगते हैं। यही कारण है कि संत-महात्मा दान की महिमा करते हैं। यह सिर्फ भौतिक संपत्ति की बात नहीं है, यह आपके मानसिक और आध्यात्मिक संपन्नता से भी जुड़ा है।उदाहरण के लिए, जब आप अपने ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करते हैं, तो न केवल दूसरों को लाभ होता है, बल्कि आपका ज्ञान भी बढ़ता है। उसकी गहराई भी बढ़ती है। कहा भी जाता है कि सीखने के लिए दूसरों को पढ़ाने से ज्यादा कारगर कुछ नहीं। यह 'गिव टू गेट' का सिद्धांत जीवन में संतुलन और समृद्धि लाता है। इसलिए इसे अपने जीने का तरीका बना लो कि हमेशा दूसरों को देने की सोचो। वह कुछ भी हो। कितना भी कोई धनी क्यों न हो, रसूख वाला क्यों न हो, कोई मंत्री, किसी कंपनी का डायरेक्टर, सीईओ, कोई फिल्म का अभिनेता, कोई हो

कोई भी हो, उसे देने के तरीके खोजो। तुम्हें देने का काम परमात्मा करेगा। ब्रह्मांड की प्रज्ञा का कोई अंत नहीं। इस कॉस्मिक इंटेलिजेंस का भरोसा करो। वह सबकुछ देखती, जानती है। और सटीक देखती है। आपके मन में उठने वाला कोई भी विचार उससे छूटता नहीं। अगर आप मन से दूसरों को दोगे, तो वह मन से तुम्हें लौटाएगा और जितना तुम दोगे उसका चार गुना लौटाएगा। और तुम्हें इसका खुद अहसास होगा। पर ये अठन्नी-चवन्नी मांगना बंद करो। ये रोना बंद करो कि मेरे जीवन में प्यार नहीं। मुझे कोई प्यार नहीं करता। तुम्हें कोई नहीं करता

पर तुम दूसरों को तो कर सकते हो। अजनबी लोगों की ओर भी एक बार प्यार से देख मुस्कराओ तो पलटकर वह और चौड़ी मुस्कान देता है। क्योंकि यही नियम है। सोचो कि कोई आपको अगर निस्वार्थ प्रेम देगा तो आप उसके लिए क्या नहीं करने को तैयार हो जाओगे।आप तो जान देने को भी तैयार हो जाओगे। नहीं होगे क्या?

डीपसीक कंपनी ने अमेरिका के बड़े बड़े टेक दिग्गजों की नींद उड़ा दी

अमेरिका में साल 2000 के डॉटकॉम बबल को याद करके लोग अभी भी थरथर कांपते हैं। टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री की सूरत ही बदल गई थी। उसके बाद 2008 का फाइनेंसिशयल क्राइसिस वाला साल आता हैं जहां कई सारी कंपनियां बंद होती हैं। लाखों नौकरियां जाती हैं। ये सब तो पुरानी बात हो गई है अगर आप 2025 के टेक तूफान को देखेंगे तो सारी चीजें भूल जाएंगे। अमेरिका के टेक स्टॉक को एक ही दिन में 1 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा और एआई चिप्स बनाने वाली टेक बादशाह कहे जाने वाली कंपनी के 600 बिलियन घंटों के अंदर गायब हो जाते हैं। अमेरिका के इतिहास में आज तक इतना बड़ा सदमा किसी एक कंपनी को कभी इतनी जल्दी नहीं लगा है। 600 बिलियन डॉलर कितनी बड़ी रकम होती है इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्री की वैल्यूशेन 200 बिलियन की बताई जाती है।

डीपसीक एक ऐसी कंपनी जिसने अमेरिका के बड़े बड़े टेक दिग्गजों की नींद उड़ा दी है। इसके जनक लियांग वेनफेंग हैं। 40 साल का एक ऐसा इंसान जिसका नाम कुछ समय पहले तक शायद ही किसी ने सुना होगा। लेकिन आज वो चीन के सैम ऑल्टमैन कहे जा रहे हैं। लियांग वेनफेंग का जन्म 1980 के दशक में चीन के एक छोटे से शहर झ्वांग डोंग में हुआ था।

एक शख्स जो कभी फाइनेंस में खेला करता था, वो आज एआई कि दुनिया में अमेरिका के भी छक्के छुड़ा रहा है। एक ऐसा इंसान जिसे कभी लोग सिर्फ एक पकाऊ लड़का मानते थे। वो आज एआई की दुनिया में तहलका मचा रहा है। अमेरिका में साल 2000 के डॉटकॉम बबल को याद करके लोग अभी भी थरथर कांपते हैं। टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री की सूरत ही बदल गई थी। उसके बाद 2008 का फाइनेंसिशयल क्राइसिस वाला साल आता हैं जहां कई सारी कंपनियां बंद होती हैं। लाखों नौकरियां जाती हैं। ये सब तो पुरानी बात हो गई है अगर आप 2025 के टेक तूफान को देखेंगे तो सारी चीजें भूल जाएंगे। अमेरिका के टेक स्टॉक को एक ही दिन में 1 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा और एआई चिप्स बनाने वाली टेक बादशाह कहे जाने वाली कंपनी के 600 बिलियन घंटों के अंदर गायब हो जाते हैं। अमेरिका के इतिहास में आज तक इतना बड़ा सदमा किसी एक कंपनी को कभी इतनी जल्दी नहीं लगा है। 600 बिलियन डॉलर कितनी बड़ी रकम होती है इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्री की वैल्यूशेन 200 बिलियन की बताई जाती है। आज आपको बताएंगे कि आखिर वो कौन सा शख्स है जिसने डीपसीक बनाकर दुनिया हिला दी। डीपसीक का मालिक

कितना पढ़ा-लिखा है। डीपसीक की खोज में कितने साल लगे हैं।

ये डीपसीक है क्या

सबसे पहले डीपसीक के बारे में अच्छे से जान लेते हैं। डीपसीक नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेटिंग एआई और डेटा इंटेलिजेंस के फील्ड में काम करती है। डीपसीक एक एडवांस अपोन सोर्स एआई सिस्टम है। अभी तक एआई के स्पेस में अमेरिका का दबदबा था। लेकिन चीन के इस एआई प्लेटफॉर्म ने दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। डीपसीक एक एडवांस एआई मॉडल है। इसकी गुणवत्ता काफी बेहतर और लागत काफी कम है। यह माडल गणित, कोडिंग और जनरल नालेज से जुड़े कामों का बेहद कारगर है। यह 90-95 प्रतिशत ज्यादा किफायती है और महंगे हार्डवेयर की जरूरत कम होती है। विभिन्न समस्याओं और कार्यों को पूरा करने में इसका स्कोर 92 प्रतिशत रहा है, जबकि चैटजीपीटी-4 का स्कोर 78 प्रतिशत है। इसको एनवीडिया की एच800 चिप का इस्तेमाल करके बनाया गया है जो मध्यम रेंज की चिप है। डीपसीक का एआइ एप उसकी वेबसाइट और एपल स्टोर पर उपलब्ध है। यह सेवा मुफ्त है और एपल के स्टोर पर सबसे तेजी से डाउनलोड होने वाला एप बन गया है।

डीपसीक के पीछे है किसका दिमाग

इस पूरे कांड को अंजाम देने के पीछे की वजह को बताया जाता है एक छोटी सी कंपनी और कुछ नौसिखिए इंजीनियर जिन्होंने डीपसीक आर 1 मॉडल लॉन्च किया है। एक ऐसा नायाब और इंफिसिएंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मॉडल जो एआई की दुनिया में एक नया मोड़ ले आया है। डीपसीक एक ऐसी कंपनी जिसने अमेरिका के बड़े बड़े टेक दिग्गजों की नींद उड़ा दी है। इसके जनक लियांग वेनफेंग हैं। 40 साल का एक ऐसा इंसान जिसका नाम कुछ समय पहले तक शायद ही किसी ने सुना होगा। लेकिन आज वो चीन के सैम ऑल्टमैन कहे जा रहे हैं। लियांग वेनफेंग का जन्म 1980 के दशक में चीन के एक छोटे से शहर झ्वांग डोंग में हुआ था। उनके पिता एक साधारण से स्कूल टीचर थे। लेकिन लियांग का दिमाग बचपन से ही गणित और टेक्नोलॉजी की तरफ झुका हुआ था। उन्होंने चीन की प्रतिष्ठित जिजियांग यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई की। ये चीन के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक है।

अमेरिका चिप बैन का सोच रहा था और लियांग कुछ और ही करने में लगे थे: लियांग की कहानी किसी फिल्मी स्किप्ट से कम नहीं है। साल 2015 में उन्होंने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हाई फ्लायर नाम की क्वांटिटेटिव हेच फर्म कंपनी बनाई। ये कंपनी गणित और एआई का इस्तेमाल करके इवेस्टमेंट करती थी। शुरुआती दिनों में इसे ज्यादा तव्ज्यों नहीं मिली। लेकिन धीरे धीरे इसने अपना दबदबा बना लिया। 2019 तक हाई फ्लायर चीन की सबसे बड़ी क्वांट हेच कंपनियों में से एक बन गई। ये चीन की पहली हेच कंपनी बनी जिसने 100 बिलियन आरएमबी यानी 1 लाख 19 हजार करोड़ रुपए का इवेंस्टमेंट पार किया। हालांकि 2021 में इसका वैल्यूशन गिरकर 8 अरब डॉलर का रह गया। इसी दौरान लियांग ने कुछ ऐसा किया, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने जेपीयूस हजारों की तादाद में खरीदने शुरू कर दिए। ये सब उस दौर में हो रहा था जब अमेरिका चीन पर चिप एक्सपर्ट बैन की तैयारी में लगा था। उस वक्त किसी को नहीं पता था कि लियांग इन चिप्स का क्या करने वाले हैं। लेकिन 2023 में दुनिया को उनका असली प्लान पता चला। डीपसीक का लॉन्च इसी वर्ष किया गया।

मां नर्मदा जन्मोत्सव पर संस्कारधानी पहुंचे बॉलीवुड कलाकार

द कपिल शर्मा शो के मिमिक्री आर्टिस्ट राहुल इंगले ने बांधा समां

गोरा बाजार में हो रहा चार दिवसीय आयोजन

अल्लू निशांत से कदम मिलाकर पुष्पा-पुष्पा-पुष्पा कह कर थिरकते रहे लोग

मिमिक्री और पुष्पा में झूमे दर्शक

द कपिल शर्मा शो के मिमिक्री आर्टिस्ट राहुल इंगले और दक्षिण भारत के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन के हम शक्ल अल्लू निशांत ने कार्यक्रम में आकर हम सभी की गरिमा बढ़ाई। बॉलीवुड के दोनों कलाकारों ने देर रात तक समा बांधा, जनता भी उनकी आवाज पर थिरकती रही। एक और द कपिल शर्मा शो के मिमिक्री आर्टिस्ट राहुल इंगले ने बॉलीवुड के सुपर स्टार्स की आवाज में मिमिक्री प्रस्तुत कर सबक मन मोह लिया। वहीं दक्षिण भारत के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन के हम शकल अल्लू निशांत ने सबको थिरकने मजबूर कर दिया। लोग पुष्पा-पुष्पा के नारे लगाते रहे और अल्लु की प्रस्तुति पर डांस करते रहे।

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मां नर्मदा के प्राकट्योत्सव पर संस्कारधानी में अनेक कार्यक्रम हुए जहां मुख्य आयोजन गौरीघाट में हुआ। वहीं उपनगरों में और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मां नर्मदा की प्रतिमा रखी गई। गोरा बाजार में तो रविवार से चार दिवसीय मां नर्मदा का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। मां नर्मदा का पूजन कर संयोजक विजय कोरी एवं परिवारजनों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम मे त्रिपुरी टाइम्स के संपादक डॉ राजेश जायसवाल, भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता पार्षद कमलेश अग्रवाल, भारतीय पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर उज्जवल सिंह, उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ के उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह बिहारी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चार दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन जनप्रतिनिधियों सहित शहर के गाणमान्य नागरिक पहुंच रहे हैं।

17 वर्षों से चल रहा क्रम

कार्यक्रम के संयोजक विजय कोरी ने बताया कि हम विगत 17 वर्षों से हम मां नर्मदा का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मना रहे हैं। प्रतिवर्ष चार दिन का कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न

कटनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी और वॉलीबॉल के मुकाबले रोमांचक माहौल में संपन्न हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार वाजपेई ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि ये अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल भी विकसित करते हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं। यह वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता 3 फरवरी से 8 फरवरी तक आयोजित होगी। कबड्डी प्रतियोगिता में कला संकाय के पुरुष और महिला वर्ग की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वाणिज्य संकाय को हराकर प्रथम स्थान हासिल किया। विज्ञान संकाय की टीम ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता के महिला वर्ग में विज्ञान संकाय ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वाणिज्य संकाय की टीम दूसरे स्थान पर रही। वहीं पुरुष वर्ग में वाणिज्य संकाय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विज्ञान संकाय ने दूसरा स्थान, और कला संकाय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. राजकुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में डॉ ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव, डॉ सूची सिंह, डॉ विजय कुमार, श्री आयुष तिवारी, श्री योगेन्द्र सोनी, सुश्री राजशी शर्मा, डॉ सुशील मिश्रा, अमित चौधरी आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कक्षा 10 में 21441 और 12वी में 16684 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

केंद्राध्यक्षों व सहायकों को रेंडमाइजेशन के द्वारा नियुक्त होंगे 133 केंद्रों पर।

बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड की परीक्षाओं की तैयारी प्रारम्भ हो गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ष की परीक्षा आयोजन को लेकर कुछ आंशिक बदलाव हुआ है। इस वर्ष पहली बार परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्षों व सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति निर्वाचन में मतदान अधिकारियों की तरह की जाएगी। बोर्ड ने निर्धारित किया है कि अब इनकी नियुक्ति रेंडमाइजेशन की तर्ज पर रैंडम आधार पर नियुक्त होंगे। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पहुँचने वाली सामग्री की थाने से ही ट्रेकिंग भी की जाएगी। इसके अलावा केंद्रों पर नियुक्त होने वाले कलेक्टर प्रतिनिधियों को मंगलवार को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में गोपनीय सामग्री थाने से ले जाने की ट्रेकिंग सिस्टम के सम्बंध में बताया गया साथ एप्प भी इंस्टाल कराई गई। शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने बताया कि कक्षा 10 वी परीक्षाएं 27 फरवरी तथा 12 वी की 25 फरवरी से प्रारम्भ होगी। कक्षा 10 वी की परीक्षा 21 मार्च को तथा 12 वी की परीक्षाएं 25 मार्च को समाप्त होगी। जिले के 133 परीक्षा केंद्रों पर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड 2025 की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। इसमें कक्षा दसवीं में 21441 और कक्षा 12वीं में 16684 परीक्षार्थी नियमित व कक्षा दसवीं में 1073 तथा कक्षा

12वीं में 1047 स्वाध्यायी परीक्षार्थी के रूप में छात्र सम्मिलित होंगे। हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी की परीक्षा हिंदी पेपर से होगी प्रारम्भ--- माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 10 वी व 12 वी परीक्षा की समय सारणी जारी कर दी गई है। कक्षा 10 का पहला पेपर 27 फरवरी को हिंदी का, 28 फरवरी को उर्दू, 1 मार्च को नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन का, 3 मार्च को अंग्रेजी,मराठी, गुजराती, पंजाबी व सिंधी का 5 मार्च को मूक बधिर तथा दृष्टिहीन विद्यार्थियों का चित्रकला, गायन वादन, तबला पखावज व कंप्यूटर, 6 मार्च को संस्कृत, 10 मार्च को गणित, 13 मार्च को सामाजिक विज्ञान और अंतिम पेपर 21 मार्च को विज्ञान का पेपर सहित सभी पेपर प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक होंगे। कक्षा 12 वी की परीक्षा भी सुबह 9 से 12 बजे तक होगी--- मप्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार कक्षा 12 वी की परीक्षा भी सुबह 9 बजे 12 बजे तक आयोजित होगी। 25 फरवरी को हिंदी पेपर के साथ परीक्षा प्रारम्भ होगी। इसके बाद 28 फरवरी को अंग्रेजी, 1 मार्च को उर्दू व मराठी,4 मार्च को भौतिकी, अर्थशास्त्र, एनिमल हस्बेंडरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एंड फिशरीज, विज्ञान के तत्व व भारतीय कला का इतिहास, 5 मार्च को बायोटेक्नोलॉजी, गायन वादन, तबला पखावज, 6 मार्च ड्राइंग एंड डिजाईन, 7 मार्च भूगोल, क्रॉप, प्रोडेक्शन एंड हार्टिकल्चर, स्टील लाइफ एन्ड डिजाईन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य, 8 मार्च बायोलॉजी, 10 मार्च मनोविज्ञान, 11 मार्च इंफोर्मेटिक प्रेक्टिसेस, 12 मार्च संस्कृत, 17 मार्च रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली ऑफ साइंस एंड मैथेमेटिक्स यूजफुल फॉर एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंधन पोषण एवं वस्त्र विज्ञान, 20 मार्च को समाज शास्त्र, 21 मार्च एनएसक्यूएफ के समस्त विषय, शारीरिक शिक्षा, 22 मार्च कृषि, होम साइंस (कला समूह), बुक कीपिंग एंड एकाउंटेंसी, 24 मार्च राजनीतिशास्त्र और 25 मार्च को गणित की परीक्षा के साथ बारहवीं की परीक्षा सम्पन्न होगी।

आयुष्मान योजना से किसान को बड़े ऑपरेशन के खर्च की चिंता मिटी।

बालाघाट। बालाघाट जिला चिकित्सालय ने नए वर्ष में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उपलब्धि भी ऐसी की जिसको लेकर बड़े-बड़े निजी अस्पताल गौरवांवित होते है। ऐसी उपलब्धि जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने घुटना प्रत्यारोपण की सर्जरी कर प्राप्त की है। घुटना प्रत्यारोपण जो अपने आपमें एक ऐसी बड़ी सर्जरी है, वो भी जिला अस्पताल में होना काल्पनिक सा लगता है। यह सर्जरी जिला अस्पताल में सफलतापूर्वक 29 जनवरी को की गई है। बालाघाट में बगदरा के 52 वर्षीय किसान कितीर्लाल किन्द्रले जो 2 वर्षो से अपने जोड़ो के दर्द से परेशान थे। जैसे-जैसे समय बीता दर्द और बढ़ने लगा, अब 6 माह से अपने दाहिने घुटने के दर्द से ज्यादा परेशान हो गए थे। आयुष्मान कार्ड बना था तो खर्च की चिंता नही की लेकिन बड़े अस्पताल आने-जाने का खर्च चिंता की बात थी। फिर भी रायपुर छत्तीसगढ़ के एम्स में इलाज करवाया गया। पूरी तरह जांच करने के बाद उन्हें रूमेटॉयड आर्थराइटिस का पता चला। यानी उनका घुटना गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके लिए घुटना प्रत्यारोपण ही आखरी इलाज बताया गया। रायपुर आने-जाने से त्रस्त हो गए थे कीर्तिराम-- कीर्तिराम को घुटना प्रत्यारोपण के लिए एम्स में तारीख दी गई थी। लेकिन बार-बार तारीखें बदल देने और आने-जाने में समस्या होने से त्रस्त हो गए थे। ऐसी स्थिति में 27 जनवरी को जिला अस्पताल पहुँचे। यहां एम्स की सारी रिपोर्ट देखने के बाद ऑर्थो डॉ. श्रेय जैन ने घुटना प्रत्यारोपण के बारें में बताया गया। उसी दिन उन्हें भर्ती कर घुटना प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक जांच के बाद अगले दिन ऑपरेशन की तैयारी शुरू की गई। 29 को घुटना प्रत्यारोपण किया गया। अस्पताल आये तो दो व्यक्तियों के सहारे बड़ी मुश्किल से चल पाये, ऑपरेशन के बाद अपने बल पर चले-- डॉ. श्रेय जैन ने बताया कि 27 जनवरी को कीर्तिराम दो लोगो के सहारे अस्पताल की सीढ़ियां भी नही चल पा रहे थे। ऑपरेशन के अल दिन बाद ही वे आसानी से वॉकर के सहारे चलने लगें। बालाघाट जिले अस्पताल में घुटना प्रत्यारोपण करने का पहला मामला था। जो सफल हुआ। इन ऑपरेशन में डॉ. विनय समद, डॉ. शुभम लिल्हारे, डॉ. लोकेश वासनिक और उनकी टीम का बड़ा सहयोग रहा।

जल संरक्षण के लिए विधायक पारधी ने चंदन नदी में किया श्रमदान

जरामोहगांव और अंसेरा के बीच चंदन नदी में हुआ 320 बोरियों का बोरी बंधान।

वारासिवनी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कटंगी एवं वारासिवनी के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, जन अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों तथा स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से जरामोहगांव और अंसेरा के बीच चंदन नदी में 320 बोरियों का विशाल बोरी बंधान किया गया। इस जल संरक्षण पहल का उद्देश्य भूमिगत जलस्तर को बढ़ावा देना, मृदा अपर्दन को रोकना और जल संवर्धन को प्रोत्साहित करना था। इस महत्वपूर्ण कार्य में कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी ने ना केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि स्वयं भी श्रमदान कर इस पहल में सहयोग दिया। कार्यक्रम के पश्चात आयोजित संगोष्ठी में विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन के लिए की जा रही पहल समुदायिक सहभागिता के साथ एक प्रेरणादायक कार्य है। छोटे-छोटे बोरी बंधानों से भूमिगत जल स्तर में

वृद्धि होगी, पानी का संचय होगा, और रेत के माध्यम से जलस्तर बढ़ेगा। इसके अलावा, यह मृदा अपरदन को रोकने में भी सहायक सिद्ध होगा। दोनों किनारों पर पौधारोपण करने से यह प्रयास और अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने आगे कहा कि जल संरक्षण के इस प्रयास को और व्यापक बनाना जरूरी है। हम सबको संकल्प लेकर चंदन मैया के दोनों छोर, उद्गम स्थल से लेकर संगम तक, पौधारोपण हेतु पहल करनी होगी ताकि इसे संरक्षित किया जा सके। यह प्रयास न केवल जल संरक्षण बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जन अभियान परिषद द्वारा छोटे-छोटे संरचनाओं के माध्यम से किए जा रहे बोरी बंधान बहुत ही कारगर सिद्ध होंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

जिले के आठ खिलाड़ी आठवीं ओपन अंतर्राष्ट्रीय ऑल स्टाइल कराते प्रतियोगिता में हुए शामिल

बालाघाट। आठवीं ओपन अंतर्राष्ट्रीय ऑल स्टाइल कराते प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 2 फरवरी के मध्य आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम राजीव गांधी इंडोर एसी पोर्ट स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन साउथ के स्टार कलाकार श्री सुमन तलवार एवं विशाखापट्टनम एमएल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। खेल और युवा कल्याण विभाग कराते सेन्टर प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा नेपाल, भूटान, बांग्लादेश एवं श्रीलंका के खिलाड़ी एवं आफिशियल्स अधिकारी ने इस तरह लगभग एक हजार खिलाड़ियों ने अपने अपने वर्गों में भाग लेकर पदक अर्जित किए। उन्होंने बताया कि इस ओपन प्रतियोगिता में बालाघाट जिले से आठ खिलाड़ी दिव्यांश अम्बागडे, कु. तिव्शा सोमनकर, विजय बोरीकर, कु .कनक सिंग उईके, पृथ्वी सिंह उईके, करन चौधरी, आदित्य राणा और साहिल तुमसरे ने काता और कुमीते वर्गों में सब जूनियर, कैडेट, एवं सीनियर बालक-बालिका में हिस्सी लेकर स्वर्ण, सिल्वर व कांस्य पदक अलग-अलग विधाओं में हासिल कर प्रदेश और जिले देश का नाम गौरवांवित किया। इस पर एसपी श्री नगेन्द्र सिंह एवं डीईओ श्री एके उपाध्याय ने बच्चों को शुभकामनाएं प्रेसित की है।

जनसुनवाई में माँ बेटे ने दिया आवेदन, कलेक्टर ने करवाई जांच

पहले ही हो चुका पीएम सम्मान निधि के लिए पंजीयन

बालाघाट। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन हुआ। जहां अधिकारियों ने 95 आवेदको की समस्याओं पर सुनवाई की। जहां जनसुनवाई में पहुँचे आवेदकों से आवेदन में लिखी समस्याओ को समझा और सम्बंधित विभागों से इस सम्बंध में ली जानकारी। साथ ही नियमानुसार समस्या निराकरण के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में नरेंद्र गंगाराम मेश्राम वार्ड नम्बर 1 के निवासी ने अति जटिल समस्या रखी। जिसमें उन्होंने राशन, आयुष्मान और पेंशन प्रदान करने के लिए आवेदन किया। लेकिन वो वर्धा में अपनी फैमिली के साथ भी रहते है। वहां भी योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है। आवेदन के अनुसार वे पूर्व में तलाक के दस्तावेज भी दे चुके है। कलेक्टर मीना ने आवेदन के आधार पर सम्बधित विभागों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसमें पूर्व में

पंजीकृत होने की जांच आयुष्मान कार्ड के लिए जनसुनवाई के दौरान ही की गई। कटंगी तहसील में सावंगी के अनिल वडीचार और माता बारूबाई ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर पीएम सम्मान निधि योजना का लाभ नही दिलवाने पर पटवारी की शिकायत लेकर पहुँचे। कलेक्टर मीना ने आवेदक को सुनते हुए पूर्व के प्रकरण आदि की जानकारी ली। वहीं एसएलआर को प्रकरण जांचने के निर्देश दिए। एसएलआर ने ऑनलाइन जब जानकारी निकाली तो पता चला कि सितंबर व नवम्बर 2024 में ही पंजीयन हो चुका है। स्टेट से अप्रूवल का इंतजार है। इधर, लालबर्रा के किशनलाल ने जनसुनवाई में सीईओ सराफ को आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि दो वर्षों से नक्शा बटांकन के लिए प्रयासरत है लेकिन अब तक नही हुआ है। इस मामलें में जिला पंचायत सीईओ सराफ ने तहसीलदार से जानकारी ली तो कुछ और बताया गया। जब एसडीएम से जाना गया तो बताया कि ऐसा प्रकरण जानकारी में नही है। अब एसडीएम आरआर पांडे प्रकरण को संज्ञान में लेकर निराकृत करेंगे।

अगर आपके हाथ पैरों का भी बड़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्स

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहां अंधेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सपना अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को रोकने के लिए किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जोखिम उठाते है।कोई भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलो में काले मुद्दे को हल करने का तरीका यहां दिया गया है

इनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर का सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैक्टीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

ह्रअतिरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शेविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गंध नहीं आती है। इससे कालेपन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

– शरीर में पसीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

– मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।

रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड हो या कोई त्योहार हम में से ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. वहीं घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट या नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर करते हैं. ऐसे में हम जब भी खाना रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग सलाह देते है कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि समस्या घेर लेगी. क्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

हालांकि, कुछ रणनीतियां है जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते है...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपकी मदद कर सकता है.

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर करते समय इन 10 हेल्दी और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें ध्यान

सुशी- कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे अच्छा ऑप्शन है. ब्राउन चावल और सब्जी से भरे इस रोल का ऑप्शन जरूर चुनें.

पनीर टिक्का- हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए पनीर टिक्का का ऑप्शन बेहतर है. इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं.

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल्ड या रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें.

भूनी हुई सब्जियां और पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूनी हुई सब्जियां और पनीर का ऑप्शन जरूर चुनें, इसके साथ साबुत अनाज चुनें और ज्यादा सब्जियां खाएं.

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ऑप्शन के लिए चुनें.

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें.

होल व्हीट मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें.

क्विनोआ बाउल विद ग्रिल्ड पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए इसे चुनें. बता दें, क्विनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि पनीर प्रोटीन प्रदान करता है.

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन ऑप्शन के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें.

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें.

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं.

ग्रिल्ड, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें.

ज्यादा कैलोरी और चीनी वाले सॉस और ड्रेसिंग का सेवन सीमित करें.

खूब पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें. इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे.

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते है। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते है कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते है। पत्थरचट्टा की पत्तियां एकने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

– पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। – पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रूप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर

अगर आप एक महीने तक चाय पीना पूरी तरह बंद कर दें तो क्या होगा?

चाय आज के समय में लगभग हर किसी के जीवन का हिस्सा है. रोज सुबह बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की के साथ अपना नींद खोलना बहुत से लोगों को बेहद अच्छा लगता है. वहीं, नाश्ते के समय भी ज्यादातर लोग चाय पीते हैं. ऐसे में देखा जाए तो बहुत से लोग दिन में कई बार चाय का सेवन करते हैं. अधिकतर लोगों को चाय की ऐसी लत होती है कि वे दिनभर में 3 से 4 बार इसका सेवन करते है. हालांकि, अधिक मात्रा में चाय के सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह होता है .

एक महीने तक चाय न पीने के फायदे

चाय हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत लोगों का पसंदीदा हॉट ड्रिंक है. कुछ लोगों को सुबह उठते ही चाय पीने की इच्छा होती है, तो वहीं कुछ लोग दिन में अनगिनत बार चाय पीते हैं. क्योंकि चाय में निकोटिन जैसा ही तत्व तंबाकू में भी होता है. लोगों की इसकी लत लग जाती है. चाय एक प्रकार की ऊर्जा और ताजगी का भी सोर्स है. लेकिन क्या आप जानते है कि हम जो चाय रोजाना पीते हैं उसमें मौजूद चीनी की मात्रा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है?

चाय प्रेमियों के लिए एक महीने तक चाय न पीना वाकई एक बड़ी चुनौती जैसा होगा, लेकिन चाय पीने की इच्छा पर अंकुश लगाने से उनके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं. आमतौर पर हम जो चाय पीते हैं उसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है. इससे कैलोरी बढ़ती है. इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, चाय में ज्यादा चीनी की मात्रा पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है.

एक महीने तक शुगर-फ्री रहने के फायदे

इसलिए अगर आप एक महीने के लिए मीठी चाय पीना बंद कर देते है, तो आपका पाचन बेहतर हो जाएगा. इससे वजन भी कम होता है. इतना ही नहीं इससे आपको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नहीं होंगी. यदि आप एक महीने तक चीनी वाली चाय नहीं पीते हैं तो, आपके ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा, चीनी के लिए कम लालसा होगी, आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे, दांत की सेहत बेहतर हो जाएगी, और संभावित रूप से स्किन साफ हो जाएगा, क्योंकि ज्यादा चीनी का सेवन मुंहासे में योगदान कर सकता है. हालांकि, चीनी को पूरी तरह से छोड़ने के पहले कुछ दिनों के दौरान आपको लालसा और थकान जैसे वापसी के लक्षणों का अनुभव हो सकता है.

कई अध्ययनों से पता चला है कि एक महीने तक मीठी चाय से परहेज करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. मीठी चाय पीने से त्वचा पर दाने और छाले हो सकते हैं. इसलिए बेहतर है कि अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए मीठी चाय न पियें. चाय पीने की आदत से बचने से सीने में जलन, चक्कर आना और हृदय गति में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. अगर आपके हाथ कांप रहे हैं तो चाय पीने से समस्या और बढ़ सकती है. इसके अलावा, यदि आप चाय पीना बंद कर दें तो हाई ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाएगा.

चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पेस पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है तो टैनिंग की वजह बन जाती है. टैनिंग के कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग-धब्बे पड़ गए हैं या मैल जम गया है. इस टैनिंग को कम करने के लिए घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर लगाए जा सकते हैं. ये फेस पैक्स स्किन पर निखार लाने का काम करते हैं. इनसे टैनिंग हल्की होने लगती है और त्वचा को उसकी खोई हुई चमक वापस मिल जाती है. यहां जानिए कौनसे हैं ये फेस पैक्स और किस तरह इन्हें घर पर ही आसानी से बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है.

टमाटर का फेस पैक

त्वचा की टैनिंग कम करने में टमाटर कमाल का असर दिखाता है. टमाटर से फेस पैक बनाने के लिए टमाटर के पल्प को निकालें और इसमें थोड़ा सा खीरे का रस मिला लें. आप चाहे तो टमाटर को सादा भी चेहरे पर लगा सकते हैं. टमाटर के पल्प को 15 से 20 मिनट त्वचा पर लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. त्वचा पर जमी डेड स्किन सेल्स भी निकलने लगती हैं. टमाटर सन डैमेज को कम करने में मददगार होता है.

दूध और हल्दी

टैनिंग हल्की करने के लिए इस सदियों से चले आ रहे नुस्खे को आजमाकर देखा जा सकता है. एक कटोरी में दही लें और उसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें. दही और हल्दी के इस मिश्रण को चेहरे पर रूई की मदद से लगा लें. इसे चेहरे पर लगाकर तकरीबन आधे घंटे रखें और फिर धोकर हटाएं. हफ्ते में 2 बार इस मिश्रण को लगाकर देखा जा सकता है.

बेसन और दही

चेहरे पर बेसन और दही को लगाने पर त्वचा एक्सफोलिएट होती है और चेहरे पर जमी डेड स्किन सेल्ट हटने लगती है. बेसन और दही त्वचा से मैल छुड़ाकर त्वचा को दमकदार बनाता है. कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और इसमें जरूरत के अनुसार दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट रखें और फिर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ा लें.

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सनटैन दूर करने में मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का भी अच्छा असर दिखता है. एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल मिलाएं. इस फेस पैक को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखा जा सकता है. इसे छुड़ाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें.

मलाई और केसर

मलाई को चेहरे पर सादा या फिर केसर के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इससे त्वचा का रूखापन दूर होता है, मैल हटता है और टैनिंग कम होने में असर दिखता है. एक कटोरी में चम्मच भरकर मलाई और 1-2 केसर के छल्ले डालकर मिलाएं. इसे उंगलियों पर लेकर चेहरे पर पर मलें. आपको दिखेगा कि चेहरे पर जमा मैल छूटकर निकलना शुरू हो गया है. मलाई को चेहरे पर मलने के बाद पानी से धोकर छुड़ा लें.

जल्द शुरू होगी सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म जटाधरा की शूटिंग

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्मजटाधरा की शूटिंग पर जानकारी सामने आई है। यह मूल रूप से तेलुगु फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। इसमें सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने जा रही है। जी स्टूडियोज ने पोस्ट साझा कर बताया है कि शूटिंग अगले महीने यानी फरवरी से शुरू होगी।

प्राचीन रहस्यों से उठेगा परदा

फिल्मजटाधरा की शूटिंग के लिए सेट हैदराबाद में सजेगा। आज इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में यह जानकारी है। दरअसल, मेकर्स ने फिल्म के तीन पोस्टर शेयर किए हैं। यह हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में हैं। इसके साथ लिखा है,इंतजार खत्म हुआ! एक खजाना खोजना है, एक अभिशाप से लड़ना है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में मिथक और रहस्य मिलते हैं। फिल्म में सुधीर बाबू नजर आएंगे। शूटिंग फरवरी से शुरू होगी।

रवीना टंडन के नजर आने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। रवीना टंडन की दक्षिण भारतीय फिल्मों की बात करें तो उन्हें यश स्टारर केजीएफ- चैप्टर 2 में भी देखा गया था, जिसमें वो नेता के रोल में नजर आई थीं। कहा जा रहा है किजटाधरा में रवीना टंडन नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगी।

शिविन नारंग करेंगे निर्देशन

फिल्मजटाधरा का पोस्टर बीते वर्ष अगस्त में जारी किया गया था। अब फिल्म की शूटिंग पर अपडेट आ गया है। इस फिल्म का निर्देशन शिविन नारंग कर रहे हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इसका निर्माण प्रेरणा अरोड़ा कर रही हैं, जो इससे पहले परी, रूस्तम, पैडमैन और टॉयलेट- एक प्रेम कथा को भी बना चुकी हैं।

प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं मानती हैं खुशी कपूर

लवयापा में नजर आने वाली अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने चेहरे की सर्जरी को लेकर हो रही बातों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बारे में बात करने से डर लगता था लेकिन अब वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में ज्यादा खुलकर बात करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

लोगों से नफरत मिलने का था डर

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में खुशी कपूर ने कहा कि लोगों से नफरत मिलने के डर से पहले में इस बात को मानने में डरती थी। हालांकि, खुशी को अब लगता है कि सर्जरी करवाना कोई अपराध नहीं है और अगर कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता भी है तो ये कोई गलत बात है।

नाक और होठ की करवाई सर्जरी

खुशी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने ऐसा किया। हां, लेकिन ये पूरी तरह से खूबसूरत लगता है। उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी फिल्मी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाया था। खुशी जल्द ही जुनैद खान के साथ फिल्म लवयापा में नजर आने वाली हैं।

दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

फरवरी में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की मानें तो इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। खुशी के फैंस भी उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

डेटिंग की खबरों पर रश्मिका ने लगाई मुहर

रश्मिका मंदाना अगली बार लक्ष्मण उतेकर की पीरियड ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगी। वह फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं, इस दौरान उन्होंने हाल ही में में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बड़ी जानकारी दी। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रिलेशनशिप में होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वह प्यार में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम बताने से परहेज किया, वहीं अब उनके डेटिंग पार्टनर पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रश्मिका के बारे में खबरें है कि वह अपने डियर कॉमरेड को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप में हैं। अभिनेत्री ने अपने हैप्पी प्लेस के बारे में बात की, वहां उन्होंने बताया कि वह एक पार्टनर हैं।

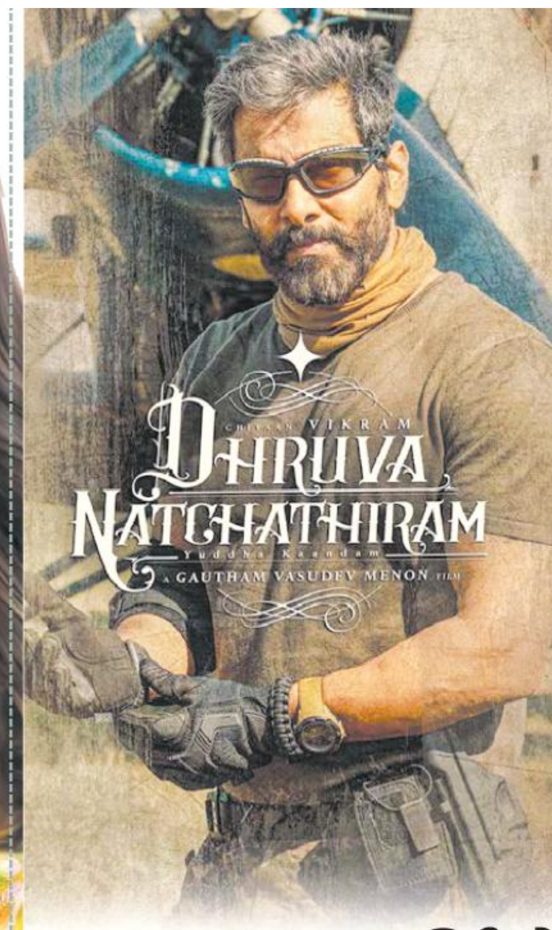

इस साल गर्मियों में रिलीज होगी विक्रम की ध्रुव नचतिरम

साउथ अभिनेता चियान विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्मध्रुव नचतिरम को लेकर फिर से सुर्खियों में है। वहीं फिल्म के निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने एक रोमांच जानकारी से प्रशंसकों को खुश कर दिया है।
विक्रम साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक मणिरणत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अहम भूमिका से सभी का दिल जीत चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में मेनन ने घोषणा की कि ध्रुव नचतिरम गर्मियों में रिलीज के लिए तैयार है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ध्रुव नचतिरम 24 मार्च 2025 को रिलीज हो सकती है।

फिल्म ध्रुव नचतिरम की स्टार कास्ट

फिल्म ध्रुव नचतिरम में रितु वर्मा को विक्रम की प्रेमिका के रूप में दिखाया गया है। ध्रुव नचतिरम एक लंबे समय से प्रतीक्षित तमिल फिल्म है, जिसकी रिलीज का प्रशंसक इंतजार कर रहे हैं। गौतम वासुदेव मेनन द्वारा लिखित और निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में विक्रम और रितु वर्मा के अलावा ऐश्वर्या राजेश, राधिका सरथकुमार, अर्जुन दास, सिमरन, डीडी, आर. पार्थिबन और कई कलाकार नजर आएंगे। वही ध्रुव नचतिरम का हैरिस जयराज नेध्रुव नचतिरम का संगीत तैयार किया है। ध्रुव नचतिरम ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट, कोंडाडुवोम एंटरटेनमेंट और एस्केप आर्टिस्ट मोशन पिक्चर्स का संयुक्त प्रोडक्शन है।

फिल्म की कहानी

ध्रुव नचतिरम एक जासूसी एक्शन थ्रिलर है, जिसमें कहानी जॉन (विक्रम) के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी, जो न्यूयॉर्क में स्थित एक अंडरकवर एजेंट है। वह और उसकी टीम एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल हैं, जिसका नेतृत्व मिस्टर के नाम के एक आदमी कर रहा है। जॉन और उनकी टीम तब हरकत में आती है जब बुरे लोग मिस्टर के को पकड़ लेते हैं, और उन्हें अंधेरे में छोड़ देते हैं। हमले के पीछे संगठन का मकसद क्या है?

यह रोमांस को लेकर क्या बोल गईं पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े ने कुछ ही देर पहले अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, बस थोड़ा सा रोमांस ही काफी है। पूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। देवा में पूजा के साथ शाहिद कपूर नजर आएंगे। देवा के अलावा पूजा दलपति विजय की 69वीं फिल्म जन नायकन में नजर आएंगी। पूजा के इंस्टाग्राम पर 27.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मनोज बाजपेयी की फैमिली मैन 3 में नजर आ सकते हैं जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत की पाताल लोक के दूसरे सीजन की धमाकेदार वापसी के बाद दर्शक मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के नए सीजन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि दोनों अभिनेता इस सीरीज में साथ काम करते नजर आ सकते हैं।
जयदीप के किरदार को लेकर हुई बात फिल्म फेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक जयदीप फैमिली मैन 3 में मनोज बाजपेयी के दुश्मन की भूमिका निभा सकते हैं। शो से जुड़े एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, द फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खबरों की मानें तो उनका किरदार मनोज बाजपेयी के श्रीकांत के खिलाफ होगा और दर्शकों को स्क्रीन के इन दो दिग्गजों को एक-दूसरे से दुश्मनी निभाते नजर आ सकते हैं।
पाताल लोक 2 को मिल रही तारीफ जयदीप अहलावत को उनकी सीरीज पाताल लोक 3 को लिए चार साल के इंतजार के बाद जयदीप अहलावत पाताल लोक सीजन 2 में हाथी राम चौधरी के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जयदीप अहलावत के एक दिलचस्प पोस्टर के साथ नए सीजन की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है।

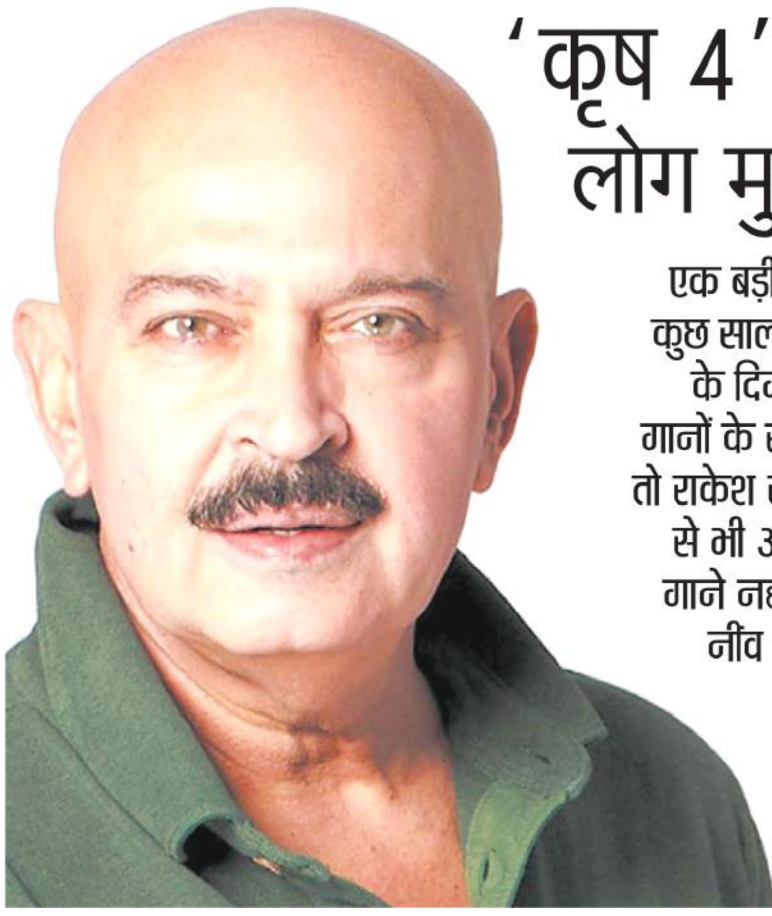

'कृष 4' में देरी पर राकेश रोशन, नहीं चाहता लोग मुझे फ्लॉप निर्देशक के तौर पर याद रखें

एक बड़ी म्यूजिक कंपनी ने कुछ साल पहले हिंदी सिनेमा के दिग्गज संगीतकारों के गानों के संग्रह प्रकाशित किए तो राकेश रोशन को उसमें ढूंढे से भी अपने पिता रोशन के गाने नहीं मिले। बस वहीं से नींव पड़ी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रोशन्स' की।

हिंदी सिनेमा को अपने संगीत, अपने निर्देशन और अपने अभिनय से रौशन करने वाले रोशन परिवार के दीये आज तक सबसे तेज जगमगा रहे हैं। आपको इस शब्द की या इस नाम की अहमियत पहली बार कब समझ आई?

मेरा असली नाम राकेश नागरथ है। मेरी पढ़ाई इसी नाम से हुई। तमाम सरकारी कागजात पर अब भी मेरा यही नाम है। ये उन दिनों की बात है जब मै फिल्मों में सहायक निर्देशक का काम तलाश रहा था। नाज सिनेमा बिल्डिंग में सारे निर्माताओँ के दफ्तर हुआ करते थे और मैं वहां काम मांगने जाता तो दफ्तर के कर्मचारियों से कहता कि साहब को बोलो, रोशन साब के बेटे आए हैं मिलने। लोग मुझे बुलाते। कुर्सी से खड़े होकर हाथ मिलाते। बड़ा सम्मान देते। इस नाम की मैंने इतनी महत्ता देखी तो इसे अपने नाम के साथ जोड़ लिया।

ये बीते छह दशक जो बिना पिता के आपके बीते हैं, उनका संघर्ष कितनी बड़ी चुनौती रही आपके लिए?

संघर्ष तो अब भी है। बीते 70 साल से चला आ रहा है। आगे भी चलता ही रहेगा। जीवन में संघर्ष निरंतर है। अभी बात होती है क्या बनाऊं? 'कृष 4' की बात होती है तो उसको भी बनाने पर बात होती है कि लोगों को पसंद आएगी कि नहीं, आएगी। तो चुनौती तो है, वही जीवन है।

18 फिल्में बना चुके निर्माता राकेश रोशन के लिए क्या चुनौती हो सकती है? क्या ये चुनौती निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म के 1000-1500 करोड़ रुपये कमाने की है?

हमें पैसे कमाने के लिए फिल्म नहीं बनाना है। ऐसा हम कभी नहीं करेंगे। हमारा डर ये है कि लोग हमें कैसे याद करेंगे? हमने 15-16 फिल्में बनाई हैं। एक निर्देशक को लोग उसकी आखिरी फिल्म से याद करते हैं। मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे एक फ्लॉप फिल्म के निर्देशक के रूप मे याद करें।

आपके पिता रोशन की संगीतबद्ध फिल्म 'सूरत और सीरत' के गाने 'बहुत दिया देने वाले ने तुझको' के पहले जो बांसुरी बजती है, वही आपकी फिल्म 'करण अर्जुन' के गाने 'ये बंधन तो प्यार का बंधन है' की धुन बनी है।

आपको संगीत से कितना लगाव है? कभी आपने भी कोई गाना लिखा या कंपोज किया?

'सूरत और सीरत' के गाने की जहां तक बात है, ये राजेश को पता होगा। मुझे नहीं लगता कि हमने 'सूरत और सीरत' फिल्म के किसी गाने से कोई धुन ली होगी। संगीत की बात करें तो हां, मैं गिटार बजाता हूं। पियानो बजाता हूं। फिल्मों का संगीत तो हम सब मिलकर ही तैयार करते हैं। लेकिन, अगर किसी एक गाने की ही बात करूं तो 'प्यार की कश्ती में' की धुन मेरी बनाई हुई है। ये गाना भी मेरा लिखा हुआ है।

संगीतकार रोशन के गानों में अध्यात्म का बहुत गहरा असर दिखता है। इसके बारे में क्या कहेंगे?

हमने हमेशा पारिवारिक फिल्में बनाई। ऐसी फिल्में जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके। मैंने कभी कोई ओछी पिक्चर नहीं बनाई। हमारे गानों में एक बात होती है और हम इस पर शुरू से कायम रहे। अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए। राजेश ने भी अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए।

और, इस वेब सीरीज 'द रोशन्स' को बनाने का मकसद क्या रहा?

ये सीरीज हमने अपनी तारीफ के लिए कतई नहीं बनाई है। हमने इस सीरीज में ये बताने की कोशिश की है, हमने तब से लेकर आज तक किस तरह के संघर्ष सिनेमा में देखे हैं। अगर सबसे तारीफ ही करानी होती तो फिर इस सीरीज को बनाने का कोई मतलब ही नही था।

चौकीदार को पीटकर सुधार गृह से भागे 8 नाबालिग

मोबाइल छीनकर पिता को कॉल किया, जबलपुर में कार से हुए फरार

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के गोकलपुरा स्थित बाल संप्रेषण गृह से सोमवार रात 8 नाबालिग फरार हो गए। भागने से पहले उन्होंने चौकीदार से गेट की चाबी छीनने की कोशिश की। चौकीदार से मारपीट की, उसके सिर पर लोहे का ताला मारकर घायल कर दिया। मोबाइल छीनकर सभी छत पर पहुंचे और कूदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी तुरंत ही रांझी थाना पुलिस और अधिकारियों को दी गई। बाल संप्रेषण गृह के अधिकारियों के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। फरार नाबालिगों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि एक नाबालिग ने अपने पिता को ने मेन रोड पर कार खड़ी कर रखी थी, जिससे वे फरार हो गए।

चौकीदार ने चाबी नहीं दी तो ताला मारा

चौकीदार राजेंद्र कुमार पटेल ने बताया, रात करीब 8 बजे सभी ने खाना खाया। उसके बाद अपने-अपने रूम में चले गए। देर रात मैं गेट पर बैठकर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान 8 नाबालिग मेरे पास पहुंचे और चाबी मांगने लगे। मैंने उन्हें समझाया और कमरे में जाने को कहा। इस बीच उन्होंने मेरे सिर पर ताले से वार कर दिया। फिर छत के दरवाजे की चाबी छीनी और ऊपर का दरवाजा खोलकर छत के रास्ते से फरार हो गए। मेरा मोबाइल भी छीनकर ले गए।

नाबालिग ने किया था पिता को फोन

जानकारी के मुताबिक फरार होने से पहले एक नाबालिग ने चौकीदार के मोबाइल से अपने पिता को फोन किया था। उसने पिता को बताया कि वह लोग बाल संप्रेषण गृह से फरार हो गए हैं। इसके बाद नाबालिग आरोपी के पिता ने मेन रोड पर अपनी कार खड़ी कर रखी थी। माना जा रहा है कि फरार आरोपियों को कार से ले जाया गया है।

फरार सभी नाबालिग आरोपी आदतन अपराधी

बाल संप्रेषण गृह से फरा सभी नाबालिग 17 से साढ़े 17 साल के हैं। करीब 15 दिन पहले ही जबलपुर पुलिस ने फरार तीन से चार लड़कों को अवैध पिस्तौल लेकर घूमने, मारपीट करने के आरोप में पकड़कर बाल न्यायालय में पेश किया था। जिसके बाद इन्हें बाल संप्रेषण भेजा गया था। बताया जा रहा है कि फरार हुए सभी नाबालिग आदतन अपराधी हैं, जो इससे पहले भी कई बार बाल संप्रेषण गृह में आ चुके हैं।

सुबह-सुबह शिकारियों के ठिकानों में छापामारी

राष्ट्रीय उद्यान कान्हा से लगे जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा में सक्रिय है गिरोह

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

तेंदुए के शिकार के मामले में आज सुबह एक फिर वन विभाग की टीम ने ग्राम देवरी में छापामार कार्यवाही की। वन विभाग को सूचना मिली थी कि, पारधी गिरोह के कुछ सदस्य गांव लौटे हैं। जिसके बाद आज सुबह जबलपुर मंडल व मंडला वन विभाग की संयुक्त टीम ने गांव में दबिश दी, लेकिन टीम के पहुंचते ही संदिग्ध पारधी गिरोह के सदस्य भाग खड़े हुए। घरों की तलाशी में मंहगे दो पहिया वाहन व कुछ अन्य कीमती सामान बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि पारधी गिरोह के सदस्य वन्य प्राणियों के शिकार के अलावा चोरी की वारदातों को भी अंजाम देते हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार को समाधि रोड पर एक मादा तेंदुआ मृत अवस्था में मिला था। जांच में यह बात सामने आयी थी कि उक्त मादा तेंदुआ को कंरट लगाकर शिकार किया गया था। शिकारियों ने तेंदुए के जबड़े और पिछले पैरों के पंजे भी काट लिए थे। वहीं नाखूनों को भी निकाल लिया था। जिसके बाद जब वन विभाग की टीम ने सर्चिंग की तो डॉग स्क्वॉड उन्हें मंडला जिले के बीजाडांडी के देवरी ग्राम तक ले गया। देवरी में पारधी गिरोह ने डेरा जमा रखा था। जब घरों के अंदर जांच की गई तो वन्य प्राणियों के शिकार में उपयोग आने वाले हथियार व कुछ अंग अवशेष भी बरामद किए गए थे। जिसके बाद यह साफ हो गया था कि क्षेत्र में पारधी गिरोह सक्रिय हैं। इधर, राष्ट्रीय उद्यान कान्हा से लगे हुए जबलपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट व छिंदवाड़ा में पारधी गिरोह के सक्रिय होने की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने रेड अलर्ट जारी किया है। अलग-अलग स्थानों से पकड़े गए शिकारियों ने पूछताछ में बताया कि, बाघ की खाल असम के रास्ते म्यांमार में बेची गई। इसी आधार पर ब्यूरो ने अलर्ट जारी किया। उन्होंने बताया कि खाल के बदले शिकारियों ने तस्करों से बड़ी रकम भी ली है। इनके ट्रांजेक्शन की डिटेल भी मिली है।

डायल-100 के चालक को आदतन बदमाश ने मारी चाकू

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर में डायल 100 के चालक पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना उस वक्त की है जब चालक खाना खाने के बाद घर के बाहर घूम रहा था। वारदात के बाद आरोपी राजू टेढ़ी मौके से फरार हो गए। चाकू चालक के कमर के पास लगा है। घायल हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी पर रांझी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुखबिरी का था शक

पुलिस के मुताबिक विवेक नाम का युवक बीते तीन साल से रांझी थाने की डायल 100 चला रहा है। बदमाश पप्पू टेढ़ी जो कि अवैध शराब का कारोबार करता है। उसे शक था कि विवेक ही उसके विषय में पुलिस को जानकारी देता है। हाल ही में पुलिस ने बदमाश को अवैध शराब विक्रय के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तभी से वह विवेक से रंजिश रखते हुए उसे मारने की फिराक में था। सोमवार रात ड्यूटी से आने के बाद विवेक ने घर में खाना खाया और बाहर घूमने लगा, तभी उस पर बदमाश ने हमला कर दिया।

आरोपी की तलाश शुरू

रांझी थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि विवेक डायल 100 का चालक है। कई सालों से गाड़ी चला रहा है। देर रात उस पर हमला करने वाले की पहचान पप्पू टेढ़ी के रूप में की गई है। विवेक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम बनाई गई है।

महिला से चेन स्नैचिंग: पता पूछने के बहाने दो युवकों ने रोका, फिर चेन छीनकर भागे

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर शहर में चेन स्नेचिंग की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चेन स्नैचर्स खासतौर पर बुजुर्ग या चलने में असमर्थ महिलाओं को टारगेट कर रहे हैं। सोमवार को भी दो लुटेरे एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाते हुए सोने की चेन खींचकर फरार हो गए। महिला ने विजय नगर थाने में लिखित में शिकायत दर्ज करवाते हुए घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिए हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस ने लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। घटना उस समय हुई जब महिला अपनी बेटी के घर पैदल जा रही थी। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे 55 वर्षीय महिला विजयनगर से एसबीआई चौक तरफ जा रही थी। जैसे ही महिला चौराहे पर पहुंची तभी दो युवकों ने उन्हें रोका और पता पूछने लगे। एक युवक महिला से बात कर रहा था, जबकि दूसरा यहां-वहां नजर दौड़ा रहा था। दोनों ने महिला से करीब 30 सेकेंड बात की। इसके बाद जैसे ही महिला आगे बढ़ी एक युवक दौड़कर आया और गले से सोने की चेन खींचकर दोनों फरार हो गए। घटना इतनी जल्दबाजी में हुई कि महिला को कुछ समझ ही नहीं आया। महिला ने फोन कर बेटी को वारदात की जानकारी दी। इसके बाद विजयनगर थाने पहुंची। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि बजुर्ग महिला सोमवार को अपनी बेटी के घर जा रही थी, उस दौरान उनके साथ लूट की घटना हुई है। पुलिस को लुटेरों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। जिसमें दोनों युवक वारदात करते नजर आ रहे हैं। मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

टिमरी हत्याकांड का शेष आरोपी महेश साहू भी गिरफ्तार

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय द्वारा थाना पाटन के टिमरी हत्याकांड मामले में 10वें शेष आरोपी महेश साहू की गिरफ़्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गईं थी, जिसमें मंगलवार को पुलिस टीम को शेष आरोपी महेश साहू को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है । आरोपी का पुलिस रिमांड लेकर घटना के संबंध में पूछताछ कर हथियार की बरामदगी की जावेगी। गिरफ़्तारी टीम में सम्मिलित

सभी पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक जबलपुर ने पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें

सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

हत्या करने वाले को कठोर अजीवन कारावास

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

न्यायालय सुधांशु सिंहा विशेष न्यायाधीश सिहोरा जिला जबलपुर की न्यायालय द्वारा आरोपी शेकू शेखर कोल को विशेष प्रकरण में धारा 302, भादवि में कठोर अजीवन करावास 5000 अर्थदण्ड , धारा 201 भादवि 3 वर्ष का कठोर कारावास, 2000 अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। दिलावर धुर्वे विशेष लोक अभियोजक/ मीडिया सेल प्रभारी सिहोरा द्वारा बताया गया कि फरियादी बसोरीलाल कोल ने इस आशय की मर्ग इंटीमेशन लेख कराई कि 18 जुलाई 2021 को शाम 8 बजे घर के सामने उसका लडका दिनेश मोहल्ले के लडकों के साथ बैठा था तथा रात्रि में वह घर नहीं आया। सुबह उसके लडके की तलाश गांव मोहल्ले में किया तब कोई पता नहीं चला एवं तलाश करते हुए दिनाक 20 जुलाई 2021 की सुबह 9 बजे घर से लगे हुए फॉरेस्ट विभाग के प्लांटेशन जंगल में वह और गांव के लोग गये तभी प्लांटेशन के अंदर खंडहरनुमा चौकी से गंध आई और चौकी के बाहर दिनेश का फुलपेंट पडा दिखा। चौकी के अंदर जाकर देखे तो उसका लडका दिनेश मत अवस्था में पडा था एवं बदन में कोई कपडे नहीं थे एवं नाक और कान से खून निकल रहा था। फरियादी की उक्त आशय की रिपोर्ट पर जांच मे पाया कि दिनेश कोल ग्राम के करन कोल, मोहित कोल, शेकू शेखर कोल के साथ देखा गया था तथा उन लोगों ने गांव की मरघटाई की होदी टंकी के पास बैठ कर शराब पीया था एवं शराब पीने से दिनेश कोल और शेकू शेखर कोल के बीच विवाद झगडा होने से शेकू शेखर कोल ने गुस्से में आकर दिनेश कोल का गला दबा कर मार डाला और शव को फॉरेस्ट प्लांटेशन के खण्डहरनुमा मकान चौकी में छिपा दिया। उपसंचालक (अभियोजन) विजय कुमार उईके व जिला लोक अभियोजन अधिकारी अजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक/सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री दिलावर धुर्वे द्वारा उक्त मामले में सशक्त पैरवी की गई।

सड़क पर अतिक्रमण कर बना रहे मकान

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

गोरखपुर क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा मकान को सड़क तक कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण यहां आने जाने वालों को काफी परेशानी का कामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों द्वारा इसकी शिकायत नगर निगम में करने के बाद भी अतिक्रमण कर निर्माण कार्य करने वालों के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार स्व. पुरुषोत्तम लाल म.नं. 2620. आर्य समाज मंदिर के पीछे बस्ती कुम्हार मोहल्ला गोरखपुर में अनीता सोनकर और उनके पुत्र द्वारा अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। 20 फुट की रोड 5 फुट कर दी। अतिक्रमण करके कब्जा किया जा रहा है। जिसके कारण सड़क पर आवागमन करने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतिक्रमणकारी द्वारा बिना अनुमति के मकान का पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों तरफ से निर्माण किया जा रहा है। मोहल्ले के कुछ लोगों द्वारा इस बात का विरोध किया गया तो अतिक्रमणकारी द्वारा यह कह दिया गया कि किसी को भी रोड से निकलने नहीं दिया जाएगा।

निगम आयुक्त से की थी शिकायत : स्थानीय निवासियों ने नगर निगम आयुक्त को इस संबंध में शिकायत करते हुए बताया था कि उक्त भवन के दस्तावेजों को देखा जाए कि अतिक्रमणकारी जितने में मकान का निर्माण कर रहे हैं क्या उतने क्षेत्रफल का उनके पास लिखित प्रमाण है या नहीं एवं उक्त भूमि का वर्तमान में उसके बावजूद भी कब्जाधारक उक्त भूमि पर मकान बना रहा है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि निरीक्षण कर अतिक्रमणकारी से दस्तावेज जांच कर जितनी उनकी भूमि है उतने में ही निर्माण कार्य की अनुमति दें ताकि हम सभी को आवागमन में होने वाली असुविधा का सामना न करना पड़े।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. **MPHIN**/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com